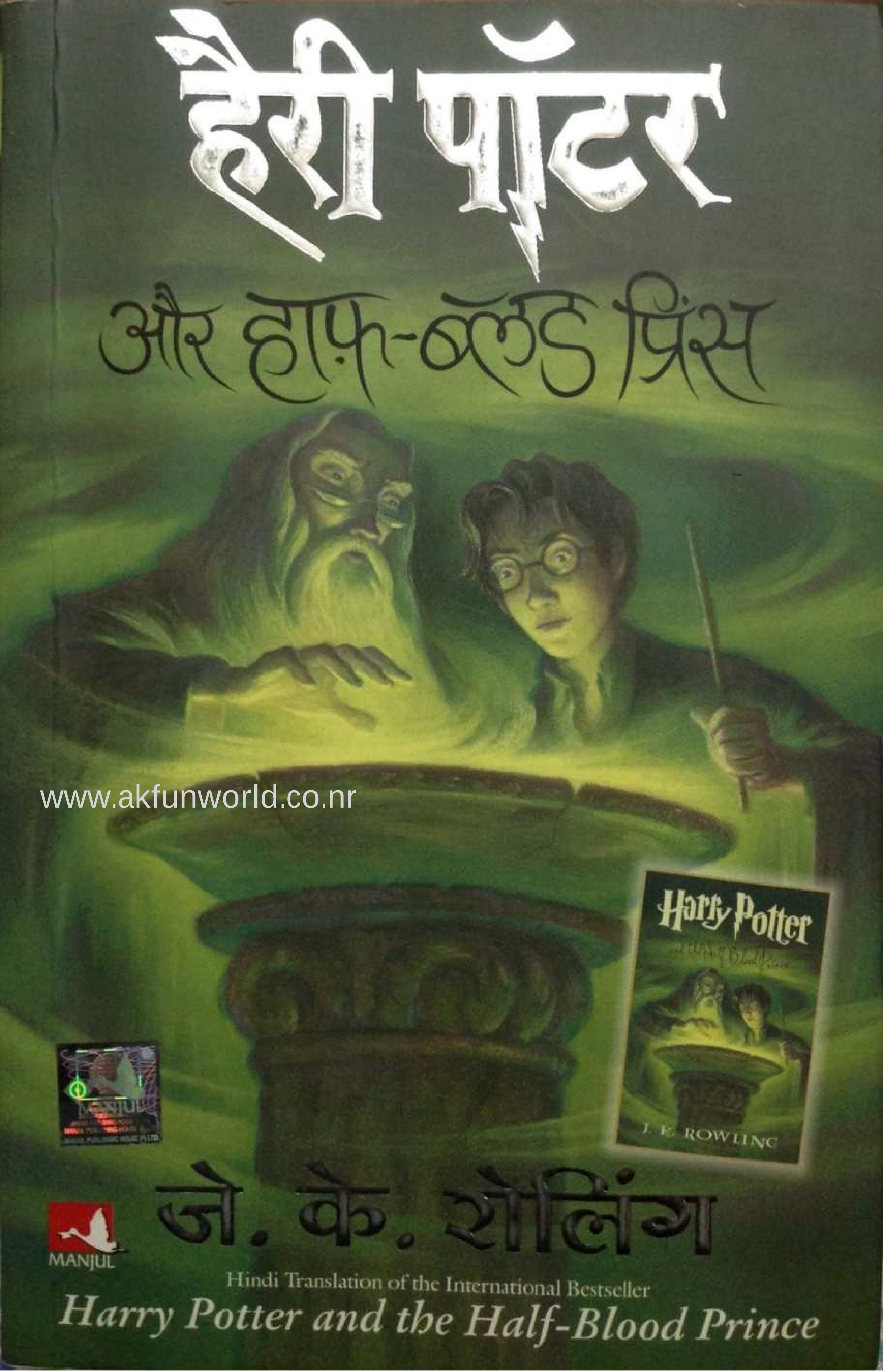

www.akfunworld.co.nr

अध्याय एक

दूसरा मंत्री

आधी रात होने वाली थी। प्रधानमंत्री अपने ऑफ़िस में अकेले बैठकर एक लंबा मेमो पढ़ रहे थे, जो उन्हें ठीक से समझ में नहीं आ रहा था। दरअसल वे किसी दूर देश के राष्ट्रपति के फ़ोन का इंतज़ार कर रहे थे और सोच रहे थे कि वह जाने कब फ़ोन करेगा। इस दौरान वे पिछले हफ़्ते की अप्रिय घटनाओं की यादों को दबाने की कोशिश कर रहे थे। यह सप्ताह बहुत लंबा, कष्टकारी और मुश्किल बीता था। ऐसा लग रहा था, जैसे उनके दिमाग़ में पिछले सप्ताह के अलावा किसी और चीज़ के लिए जगह ही नहीं बची थी। उन्होंने अपने सामने रखे मेमो में लिखी बातों पर ध्यान केंद्रित करने की कोशिश की, लेकिन उन्हें उस पर अपने एक राजनैतिक विरोधी का हँसता हुआ चेहरा दिखा, जिसने उसी शाम की न्यूज़ में बयान दिया था। उसने न सिर्फ़ पिछले सप्ताह में हुई सभी भयंकर घटनाएँ दोहराईं (जैसे किसी को याद दिलाने की ज़रूरत थी!), बल्कि यह भी स्पष्ट किया कि वे सारी घटनाएँ सरकार की ग़लती की वजह से हुई थीं।

उसके आरोपों के बारे में सोचकर ही प्रधानमंत्री के दिल की धड़कनें तेज़ होने लगीं, क्योंकि ये आरोप न तो उचित थे, न ही सच थे। आख़िर उनकी सरकार उस पुल को गिरने से कैसे रोक सकती थी? कोई यह कैसे कह सकता है कि सरकार पुलों पर पर्याप्त ख़र्च नहीं कर रही है। उस पुल को बने अभी दस साल भी नहीं हुए थे। बहरहाल, विशेषज्ञ भी यह नहीं बता पा रहे थे कि पुल बीच से दो टुकड़ों में कैसे टूट गया, जिससे दर्जन भर कारें नदी में गिर गईं। कोई यह आरोप लगाने की ज़ुर्रत कैसे कर सकता था कि पुलिस वालों की कमी के कारण दो भयंकर और सनसनीख़ेज़ हत्याएँ हुई थीं? और सरकार पश्चिमी प्रांत में आए भयंकर तूफ़ान का पहले से कैसे अनुमान लगा सकती थी, जिससे जान-माल का काफ़ी नुक़सान हुआ था? और क्या यह *उनकी* ग़लती थी कि उनका एक कनिष्ठ मंत्री हरबर्ट कोर्ली उसी सप्ताह अजीब हरकतें करने लगा था

और इस वक़्त घर पर पड़ा था।

विरोधी ने अपनी चौड़ी मुस्कान को छिपाते हुए अंत में कहा, 'पूरे देश में उदासी का माहौल है।'

दुर्भाग्य से यह बात बिलकुल सच थी। ख़ुद प्रधानमंत्री को भी ऐसा ही लग रहा था। इन दिनों लोग सचमुच सामान्य से कहीं ज़्यादा दुखी नज़र आ रहे थे। यहाँ तक कि मौसम भी मनहूस था। जुलाई के बीच में ठंड भरा कुहासा था ... यह ठीक नहीं था, यह सामान्य नहीं था ...

उन्होंने मेमो के दूसरे पन्ने को पलटा। जब उन्होंने देखा कि मेमो बहुत लंबा है, तो हार मान ली। अपने सिर के ऊपर हाथ फैलाकर उन्होंने दुखी मन से अपने ऑफ़िस में चारों तरफ़ नज़र डाली। कमरा आकर्षक था। इसमें लंबी चौखट वाली खिड़कियों के सामने संगमरमर की सुंदर अँगीठी थी। बाहर की ठंड से बचने के लिए खिड़कियाँ बंद थीं। हल्की कँपकँपी के साथ उठकर प्रधानमंत्री ने खिड़कियों के पास जाकर उस हल्की धुंध को देखा, जो काँच के पार थी। वे कमरे की तरफ़ पीठ करके खड़े हुए, लेकिन तभी उन्हें अपने पीछे किसी के खाँसने की आवाज़ सुनाई दी।

वे स्तब्ध होकर काले काँच में अपना भयभीत प्रतिबिंब देखते रहे। वे उस खाँसी को पहचानते थे। उन्होंने यह पहले भी सुनी थी। वे बहुत धीरे-धीरे मुड़कर ख़ाली कमरे को देखने लगे।

हालाँकि वे ज़रा भी बहादुर महसूस नहीं कर रहे थे, लेकिन उन्होंने बहादुरी का नाटक करते हुए कहा, 'हैलो?'

एक पल के लिए तो उन्होंने यह असंभव उम्मीद की कि कोई जवाब नहीं मिलेगा। बहरहाल, उन्हें फ़ौरन एक आवाज़ सुनाई दी - एक सख़्त, निर्णायक आवाज़, जिसे सुनकर लग रहा था जैसे यह कोई लिखा हुआ वक्तव्य पढ़ रही हो। जैसा कि प्रधानमंत्री जानते थे, खाँसी की आवाज़ कमरे के दूर वाले कोने में लगी एक छोटी और गंदी ऑइल पेंटिंग में से आई थी। वहाँ पर मेंढक जैसा दिखने वाला नाटा आदमी खड़ा था, जिसने एक लंबी सफ़ेद विग पहन रखी थी। खाँसी की आवाज़ उसी की थी।

'मगलुओं के प्रधानमंत्री के लिए संदेश। तत्काल मिलना है। फ़ौरन जवाब दें। आपका, फ़ज।' पेंटिंग वाले आदमी ने प्रधानमंत्री की तरफ़ सवालिया निगाह डाली।

'अर,' प्रधानमंत्री ने कहा, 'सुनो ... मेरे पास समय नहीं है ... देखो, मैं किसी के टेलीफ़ोन का इंतज़ार कर रहा हूँ ... किसी देश के राष्ट्रपति का फ़ोन आने वाला है -'

'उसका इंतज़ाम किया जा सकता है,' तस्वीर वाले आदमी ने तत्काल कहा। प्रधानमंत्री का दिल डूब गया। उन्हें इसी बात का डर था।

'लेकिन मैं सचमुच उनसे बातचीत करना चाहता था –'

नाटा आदमी बोला, 'हम ऐसा इंतज़ाम कर देंगे कि वह राष्ट्रपति आज फ़ोन करना भूल जाएगा। वह आज के वजाय कल रात को फ़ोन करेगा। कृपया तत्काल मिस्टर फ़ज को जवाब दें।'

'मैं ... ओह... ठीक है,' प्रधानमंत्री ने कमज़ोरी से कहा। 'ठीक है, मैं फ़ज से मिल लेता हूँ।'

वे अपनी डेस्क की तरफ़ तेज़ी से बढ़े और चलते-चलते ही अपनी टाई सीधी की। वे अपनी कुर्सी पर बैठ गए और अपने चेहरे को शांत तथा सामान्य बनाने की कोशिश की। तभी संगमरमर के मैंटलपीस के नीचे की ख़ाली अँगीठी में हरी लपटें चमकने लगीं। उन्होंने कोशिश की कि उनके चेहरे पर हैरानी या दहशत के भाव न आएँ, जब उन्हें लपटों के बीच में एक मोटा आदमी दिखा। वह भौंरे जितनी तेज़ी से घूम रहा था। कुछ ही पल बाद वह उनके ऑफ़िस के शानदार गलीचे पर उतर गया और अपने लंबे धारीदार चोगे की आस्तीनों से राख साफ़ करने लगा। उसके हाथ में नीबू जैसे रंग का हरा हैट था।

'आह ... प्रधानमंत्री,' कॉर्नेलियस फ़ज ने कहा और हाथ आगे करते हुए प्रधानमंत्री की तरफ़ बढ़े। 'आपसे दोबारा मिलना अच्छा लगा।'

वहरहाल, प्रधानमंत्री को इस मुलाक़ात से कोई ख़ास ख़ुशी नहीं हुई थी, इसलिए वे कुछ नहीं बोले। उन्हें फ़ज से होने वाली मुलाक़ातों से ख़ुशी नहीं, बल्कि दहशत होती थी। आम तौर पर इसका मतलब यह होता था कि उन्हें कोई वहुत बुरी ख़बर सुनने को मिलने वाली है। इसके अलावा, इस वक़्त फ़ज के चेहरे से साफ़ ज़ाहिर था कि वे ख़ासे चिंतित थे। वे अब पहले से ज़्यादा दुबले, गंजे और बूढ़े दिख रहे थे। उनका चेहरा थोड़ा सफ़ेद था और उस पर उदासी का भाव था। प्रधानमंत्री राजनेताओं में इस तरह का भाव पहले भी कई बार देख चुके थे और जानते थे कि यह कोई अच्छा संकेत नहीं है।

फ़ज से पल भर के लिए हाथ मिलाने के बाद उन्होंने पूछा, 'मैं आपकी क्या मदद कर सकता हूँ?' फिर उन्होंने अपनी डेस्क के सामने वाली सबसे सख़्त कुर्सी की तरफ़ इशारा किया।

फ़ज ने बुदबुदाकर कहा, 'समझ में नहीं आता कि कहाँ से शुरू करूँ?' फिर वे कुर्सी खींचकर बैठ गए और अपने हरे हैट को घुटनों पर रख लिया। 'बहुत बुरा सप्ताह था, बहुत बुरा सप्ताह था ...'

प्रधानमंत्री ने सख़्त लहज़े में पूछा, 'आपका सप्ताह भी बुरा गुज़रा है क्या ?' इस बात से उन्होंने यह जताने की कोशिश की कि उनके पास पहले से ही काफ़ी चिंताएँ हैं तथा फ़ज को अपनी परेशानियाँ बताकर उनकी चिंताएँ और नहीं बढ़ानी चाहिए।

'हाँ, ज़ाहिर है,' फ़ज ने कहा और थकान से भरी आँखें मलते हुए उदासी से प्रधानमंत्री की तरफ़ देखा। 'प्रधानमंत्री, मेरा सप्ताह भी आपके सप्ताह जैसा ही था। ब्रॉकडेल पुल ... बोन्स और वैन्स की हत्याएँ ... इसके अलावा पश्चिमी प्रांत की तबाही ...'

'आपका - अर - आपका - मेरा मतलब है कि इन - इन घटनाओं में - आपके लोग शामिल थे ?'

फ़ज ने प्रधानमंत्री पर थोड़ी सख़्त निगाह डाली।

'ज़ाहिर है,' उन्होंने कहा। 'निश्चित रूप से अब तक तो आप समझ ही चुके होंगे कि क्या हुआ है ?'

'मैं ...' प्रधानमंत्री झिझके।

इसी तरह के व्यवहार के कारण उन्हें फ़ज से मिलना पसंद नहीं था। आख़िरकार वे प्रधानमंत्री थे और उन्हें यह अच्छा नहीं लगता था कि कोई उनके साथ किसी नासमझ स्कूली लड़के जैसा व्यवहार करे। लेकिन ज़ाहिर है, फ़ज से उनकी पहली मुलाक़ात से यही सिलसिला चला आ रहा था। जिस दिन वे प्रधानमंत्री बने थे, उसी रात को वे फ़ज से पहली बार मिले थे। उन्हें वह मुलाक़ात इतनी अच्छी तरह याद थी, जैसे कल की ही बात हो और वे जानते थे कि उन्हें वह घटना मरते दम तक याद रहेगी।

उस दिन भी वे इसी ऑफ़िस में अकेले खड़े हुए थे और उस विजय का स्वाद ले रहे थे, जो बरसों तक सपने देखने और योजना बनाने की बदौलत मिली थी। तभी उन्हें आज रात की तरह ही अपने पीछे किसी के खाँसने की आवाज़ सुनाई दी थी। तस्वीर वाले बदसूरत नाटे आदमी ने उन्हें बताया कि जादू मंत्री उनसे परिचय करना चाहते हैं।

ज़ाहिर है, उन्होंने सोचा कि लंबे चुनावी अभियान और तनाव के कारण उनका दिमाग़ घूम गया है। वे इस बात पर दहशत में आ गए थे कि एक तस्वीर उनसे बात कर रही थी। बहरहाल, उन्हें इससे भी ज़्यादा दहशत तब हुई, जब ख़ुद को जादूगर कहने वाला एक आदमी अँगीठी से उछलता हुआ निकला और उनसे हाथ मिलाने लगा। वे अवाक् होकर सुनते रहे, जबकि फ़ज उन्हें समझाते रहे कि दुनिया भर में जादूगर और जादूगरनियाँ छिपकर रह रहे हैं। उन्होंने प्रधानमंत्री को आश्वस्त किया कि उन्हें इस बारे में परेशान होने की ज़रूरत नहीं

है, क्योंकि जादू मंत्रालय पूरे जादूगर समुदाय की ज़िम्मेदारी लेता है और ग़ैर-जादूगर समुदाय को उनका पता नहीं लगने देता। फ़ज ने कहा कि यह काम मुश्किल था, क्योंकि इसमें झाड़ुओं के ज़िम्मेदारी भरे प्रयोग संबंधी नियम बनाने से लेकर ड्रैगनों को क़ाबू में रखने तक हर चीज़ शामिल थी (प्रधानमंत्री को याद आया कि ड्रैगनों का नाम सुनकर उन्होंने सहारे के लिए अपनी डेस्क पकड़ ली थी)। फ़ज ने पिता जैसे अंदाज़ में अवाक् प्रधानमंत्री का कंधा थपथपाया।

उन्होंने कहा, 'चिंता न करें। हो सकता है, आप मुझे दोबारा न देखें। मैं आपको तभी दिक्क़त दूँगा, जब हमारी तरफ़ कोई सचमुच गंभीर घटना होगी, कोई ऐसी चीज़, जिससे मगलू - यानी ग़ैर-जादूगर लोग - प्रभावित हो सकते होंगे। वरना हम जियो और जीने दो के सिद्धांत पर चलेंगे। वैसे मैं यह कहना चाहूँगा कि आप इस ख़बर को पहले वाले प्रधानमंत्री से ज़्यादा अच्छी तरह से ले रहे हैं। *उन्होंने* मुझे खिड़की से बाहर फेंकने की कोशिश की थी। उन्हें लगा था कि विरोधी दल ने मुझे यहाँ किसी छलावे के तौर पर भेजा था।'

आख़िरकार, प्रधानमंत्री की आवाज़ निकली।

'आप - आप सचमुच छलावा *नहीं* हैं?'

यह उनकी आख़िरी, हताशा भरी उम्मीद थी।

'नहीं,' फ़ज ने धीरे से कहा। 'नहीं, मैं छलावा बिलकुल नहीं हूँ। देखिए।'

उन्होंने प्रधानमंत्री के चाय के कप को चूहे में बदल दिया, जो प्रधानमंत्री का मुँह कुतरने की कोशिश करने लगा।

प्रधानमंत्री तेज़ साँसें लेते हुए बोले, 'लेकिन मुझे - मुझे किसी ने बताया क्यों नहीं - ?'

फ़ज अपनी छड़ी जैकेट में रखते हुए बोले, 'जादू मंत्री सिर्फ़ वर्तमान मगलू प्रधानमंत्री के सामने ही प्रकट होता है। हमें लगता है कि यह इस बात को गोपनीय रखने का सबसे अच्छा तरीक़ा है।'

प्रधानमंत्री ने पूछा, 'अगर ऐसा है, तो पहले वाले प्रधानमंत्री ने मुझे चेतावनी क्यों नहीं दी - ?'

इस बात पर फ़ज सचमुच हँस दिए।

'मेरे प्रिय प्रधानमंत्री, क्या *आप* कभी किसी को यह बात बताएँगे?'

हँसते-हँसते फ़ज ने अँगीठी में थोड़ा पाउडर फेंका, हरी दहकती लपटों में क़दम रखा और झोंके की आवाज़ के साथ ग़ायब हो गए। प्रधानमंत्री किसी मूर्ति की तरह स्तब्ध खड़े रह गए। वे जानते थे कि वे मरते दम तक किसी को भी इस मुलाक़ात के बारे में बताने की हिम्मत नहीं कर सकते, क्योंकि उनकी बात पर

भला कौन यक़ीन करेगा?

इस सदमे से उबरने में उन्हें थोड़ा वक़्त लगा। कुछ समय तक तो उन्होंने खुद को यक़ीन दिलाने की कोशिश की कि फ़ज से हुई मुलाक़ात उनका वहम था। शायद लंबे चुनावी अभियान के दौरान नींद की कमी के कारण यह हुआ होगा। इस अप्रिय मुलाक़ात को भुलाने की असफल कोशिश में उन्होंने चूहा अपनी भतीजी को दे दिया, जो इस बात से बड़ी ख़ुश हुई। फिर उन्होंने अपने प्राइवेट सेक्रेटरी को आदेश दिया कि वह उस बदसूरत नाटे आदमी की तस्वीर हटा दे, जिसने फ़ज के आने की घोषणा की थी। बहरहाल, तस्वीर टस से मस नहीं हुई, जिससे प्रधानमंत्री को काफ़ी निराशा हुई। जब कई कारपेंटर, दो-एक भवन-निर्माता, एक कला इतिहासकार और वित्तीय मामलों के सलाहकार इसे दीवार से नहीं हटा पाए, तो प्रधानमंत्री ने यह कोशिश छोड़ दी। अब उन्हें बस यही उम्मीद थी कि उनके बचे हुए कार्यकाल में यह तस्वीर स्थिर और ख़ामोश रहेगी। कभी-कभार वे कनखियों से देख लेते थे कि तस्वीर वाला आदमी जम्हाई ले रहा है या अपनी नाक खुजा रहा है। एक-दो बार तो वह अपनी तस्वीर से ग़ायब हो गया और अपने पीछे कीचड़ के रंग जैसा भूरा ख़ाली कैनवास छोड़ गया। बहरहाल, कुछ समय में प्रधानमंत्री ने खुद को प्रशिक्षित कर लिया कि वे तस्वीर की तरफ़ बहुत ज़्यादा न देखें। जब भी तस्वीर संबंधी कोई विचित्र घटना दिखती थी, तो वे हमेशा दृढ़ता से सोचते थे कि उन्हें दृष्टिभ्रम हो रहा है।

फिर, तीन साल पहले जब आज रात की तरह ही प्रधानमंत्री अपने ऑफ़िस में अकेले थे, तब तस्वीर ने एक बार फिर फ़ज के तत्काल आगमन की घोषणा की। फ़ज अँगीठी से तेज़ी से बाहर निकले। वे बुरी तरह भीगे थे और भयंकर दहशत में थे। इससे पहले कि प्रधानमंत्री यह पूछ सकें कि वे गलीचे पर पानी क्यों गिरा रहे हैं, फ़ज एक ऐसी जेल के बारे में बोलने लगे, जिसका नाम प्रधानमंत्री ने कभी नहीं सुना था। उन्होंने 'सीरियस' ब्लैक नाम के आदमी का नाम लिया, हॉगवर्ट्स जैसी किसी जगह का ज़िक्र किया और हैरी पॉटर नाम के लड़के के बारे में कुछ कहा। मगर उनकी इन बातों से प्रधानमंत्री को कुछ समझ में नहीं आया।

'... मैं अभी-अभी अज़्काबान से आया हूँ,' फ़ज ने हाँफते हुए और अपने हैट की किनारी के बहुत सारे पानी को अपनी जेब में डालते हुए कहा। 'यह जेल उत्तरी समुद्र के बीच में है, बहुत बुरी जगह है ... दमपिशाच बौखला गए हैं -' फ़ज काँपने लगे '- आज तक वहाँ से कोई फ़रार नहीं हुआ था। प्रधानमंत्री, मुझे आपके पास आना ही था, मजबूरी थी। ब्लैक पहले भी मगलुओं की हत्या कर चुका है और हो सकता है कि वह तुम-जानते-हो-कौन के साथ फिर जुड़ने की योजना बना रहा हो ... लेकिन ज़ाहिर है, आप तो तुम-जानते-हो-कौन के बारे

में कुछ भी नहीं जानते होंगे!' उन्होंने एक पल के लिए प्रधानमंत्री को निराशा से घूरा और कहा, 'अच्छा, बैठ जाइए, बैठ जाइए, अच्छा यही रहेगा कि मैं पहले आपको पृष्ठभूमि बता दूँ ... व्हिस्की पीजिए ...'

प्रधानमंत्री को यह थोड़ा बुरा लगा कि उनसे उन्हीं के ऑफ़िस में बैठने और उन्हीं की व्हिस्की पीने को कहा जा रहा है। बहरहाल, वे बैठ गए। फ़ज ने अपनी छड़ी बाहर निकाली और हवा में से शराब से भरे दो बड़े गिलास उत्पन्न किए। उन्होंने एक गिलास प्रधानमंत्री के हाथ में दे दिया और कुर्सी खींचकर बैठ गए।

फ़ज एक घंटे से भी ज़्यादा समय तक बोलते रहे। इस दौरान उन्होंने एक जादूगर का नाम लेने से इंकार कर दिया और इसके बजाय उसे चर्मपत्र पर लिखकर प्रधानमंत्री के उस हाथ में दे दिया, जिसमें व्हिस्की का गिलास नहीं था। जब आख़िरकार फ़ज चलने के लिए खड़े हुए, तो प्रधानमंत्री भी उठकर खड़े हो गए।

'तो आपको लगता है कि ...' उन्होंने अपने बाएँ हाथ में रखे चर्मपत्र के नाम पर नज़र डालते हुए कहा, 'लॉर्ड वोल्-'

'तुम-जानते-हो-कौन!' फ़ज ने गुर्राते हुए कहा।

'माफ़ करें ... तो आपको लगता है कि तुम-जानते-हो-कौन अब भी ज़िंदा है?'

फ़ज ने अपना धारीदार चोगा ठुड्डी के नीचे बाँधते हुए कहा, 'देखिए, हमें वह अब तक नहीं मिला है, लेकिन डम्बलडोर कहते हैं कि वह ज़िंदा है। मेरी राय में वह तब तक ख़तरनाक नहीं है, जब तक कि उसके समर्थक उसके पास नहीं पहुँच जाते। इसीलिए हमें ब्लैक की इतनी ज़्यादा चिंता हो रही है। तो, आप वह चेतावनी दे देंगे, है ना? बहुत बढ़िया। अच्छा प्रधानमंत्री, मुझे उम्मीद है कि अब हमें एक-दूसरे से दोबारा नहीं मिलना पड़ेगा! गुड नाइट।'

लेकिन उन्हें दोबारा मिलना पड़ा था। कुछ महीने बाद ही परेशानहाल फ़ज मंत्रालय कक्ष में हवा में से उत्पन्न हुए थे। उन्होंने प्रधानमंत्री को यह जानकारी दी कि **क्विडिच** वर्ल्ड कप (यह जाने कौन सा वर्ल्ड कप था) में थोड़ी सी उलझन आ गई थी और इसमें कई मगलू 'शामिल' थे, लेकिन प्रधानमंत्री को चिंता करने की कोई ज़रूरत नहीं थी। तुम-जानते-हो-कौन का निशान दोबारा दिखा था, लेकिन इससे भी कोई दिक्क़त नहीं थी। फ़ज के हिसाब से यह घटना महत्वहीन थी और जैसा उन्होंने बताया था, मगलू संपर्क कार्यालय मगलुओं की याददाश्त मिटाने के काम में जुटा हुआ था।

'ओह, और मैं तो भूल ही गया था,' फ़ज ने आगे कहा। 'हम जादूगरी के

त्रिकोणीय टूर्नामेंट के लिए इस देश में तीन ड्रैगन और एक स्फ़िंक्स ला रहे हैं। यह बहुत सामान्य सी बात है, लेकिन जादुई प्राणी नियमन एवं नियंत्रण विभाग की नियमावली में लिखा है कि देश में बहुत ख़तरनाक प्राणी लाते वक़्त हमें आपको जानकारी देनी होगी।'

प्रधानमंत्री ने हड़बड़ाते हुए कहा, 'मैं – क्या – *ड्रैगन ?'*

'हाँ, तीन ड्रैगन,' फ़ज ने कहा। 'और एक स्फ़िंक्स। तो अब मैं चलता हूँ, आपका दिन अच्छा गुज़रे।'

प्रधानमंत्री को यह उम्मीद थी कि ड्रैगन और स्फ़िंक्स के बारे में बताने के बाद वे दोबारा नहीं आएँगे, लेकिन ऐसा नहीं हुआ था। पिछली मुलाक़ात को अभी दो साल भी नहीं हुए थे कि फ़ज एक बार फिर अँगीठी से बाहर निकले और इस बार उन्होंने यह ख़बर दी कि अज़्काबान से क़ैदी सामूहिक रूप से फ़रार हो गए थे।'

'*सामूहिक रूप से* फ़रार ?' प्रधानमंत्री ने भर्राई आवाज़ में दोहराया।

'चिंता करने की कोई बात नहीं है, चिंता करने की कोई बात नहीं है!' फ़ज ने चिल्लाकर कहा, जब उनका एक पैर लपटों में जा चुका था। 'हम उन्हें जल्दी ही पकड़ लेंगे – बस आपको ख़बर देनी थी!'

और इससे पहले कि प्रधानमंत्री चिल्लाकर कह पाते, 'एक मिनट रुकिए!', फ़ज हरी चिंगारियों के बीच में पहुँचकर ग़ायब हो चुके थे।

अख़बार वाले और विरोधी चाहे जो कहें, प्रधानमंत्री मूर्ख नहीं थे। उन्हें अच्छी तरह एहसास था कि पहली मुलाक़ात में फ़ज ने दोबारा न मिलने का जो आश्वासन दिया था, उसके बावजूद वे न सिर्फ़ एक-दूसरे से बार-बार मिल रहे थे, बल्कि हर मुलाक़ात में फ़ज पहले से ज़्यादा परेशान दिख रहे थे। हालाँकि प्रधानमंत्री जादू मंत्री (वैसे वे मन ही मन फ़ज को हमेशा *दूसरा* मंत्री कहते थे) के बारे में सोचना पसंद नहीं करते थे, लेकिन उन्हें यह डर लगा रहता था कि अगली बार फ़ज कोई ज़्यादा गंभीर ख़बर लाएँगे। इसलिए चिंतित और परेशान फ़ज को एक बार फिर अँगीठी से निकलते देखकर उन्हें लगा कि यह इस उदासी भरे सप्ताह की सबसे बुरी घटना है। इससे भी ज़्यादा उलझन प्रधानमंत्री को इस बात से हुई कि फ़ज के हिसाब से प्रधानमंत्री को उनके आने का कारण मालूम होना चाहिए था।

'मुझे क्या पता कि – अर – जादूगर समुदाय में क्या हो रहा है?' प्रधानमंत्री ने ताव में आते हुए कहा। 'मुझे देश चलाना है और आपके बिना भी मेरे पास इस वक़्त बहुत सारी चिंताएँ हैं –'

'हमारी चिंताएँ एक ही हैं,' फ़ज उनकी बात बीच में काटते हुए बोले। 'ब्रॉकडेल पुल अपने आप नहीं टूटा था। और वह दरअसल तूफ़ान नहीं था। वे हत्याएँ मगलुओं ने नहीं की थीं। हरबर्ट कोर्ली का परिवार उसके बिना ज़्यादा सुरक्षित रहेगा। हम लोग इस वक़्त उसे सेंट मंगोज़ जादुई रोग एवं दुर्घटना अस्पताल भिजवाने की व्यवस्था कर रहे हैं। यह काम आज रात को हो जाएगा।'

प्रधानमंत्री को समझ में नहीं आया कि वे क्या कहें, 'आप क्या ... मुझे कुछ समझ में ... *क्या ?*'

फ़ज ने गहरी साँस लेते हुए कहा, 'प्रधानमंत्री, मुझे आपको यह बताते हुए बेहद अफ़सोस हो रहा है कि वह लौट आया है। तुम-जानते-हो-कौन लौट आया है।'

'लौट आया ? आपका मतलब है कि ... वह ज़िंदा है ? मेरा मतलब है –'

प्रधानमंत्री ने तीन साल पहले की उस भयंकर बातचीत को याद करने की कोशिश की, जब फ़ज ने उन्हें बताया था कि तुम-जानते-हो-कौन नाम के जादूगर ने हज़ारों गंभीर अपराध किए थे, उससे सभी डरते थे और वह पंद्रह साल पहले रहस्यमय रूप से ग़ायब हो गया था।

'हाँ, ज़िंदा है,' फ़ज ने कहा। 'देखिए, मुझे लगता है, अगर कोई मर न सके, तो उसे ज़िंदा ही कहना होगा, है ना ? मैं दरअसल इसे ठीक से नहीं समझ पाया हूँ और डम्बलडोर सही तरीक़े से समझाने को तैयार नहीं हैं – लेकिन चाहे जो हो, अब उसके पास एक शरीर है और वह चल रहा है, बातचीत कर रहा है और हत्याएँ कर रहा है, इसलिए हमारी बातचीत के संदर्भ में उसे ज़िंदा ही मानना होगा।'

प्रधानमंत्री को समझ में नहीं आया कि इस पर वे क्या कहें ? बहरहाल, वे अपने सामने आने वाले किसी भी विषय पर जानकार दिखने के आदी थे, इसलिए उन्होंने फ़ज की पुरानी बातें याद करने की कोशिश की।

'क्या *सीरियस ब्लैक* भी तुम-जानते-हो-कौन के साथ है ?'

'ब्लैक ? ब्लैक ?' फ़ज ने विचलित होते हुए कहा और अपने हैट को अपनी उँगलियों में तेज़ी से घुमाया। 'आपका मतलब है, सिरियस ब्लैक ? बिलकुल नहीं। ब्लैक मर चुका है। बाद में हमें पता चला कि हमें ब्लैक के बारे में ग़लतफ़हमी हो गई थी। वह बेगुनाह निकला। और वह तुम-जानते-हो-कौन के दल में भी नहीं था,' उन्होंने रक्षात्मक ढंग से आगे कहा और अपने हैट को पहले से कहीं ज़्यादा तेज़ी से घुमाने लगे, 'हालाँकि सारे सबूत उसी की तरफ़ इशारा कर रहे थे – हमारे पास पचासों चश्मदीद गवाह थे। ख़ैर, चाहे जो हो, जैसा मैंने

कहा, वह मर चुका है। सच तो यह है कि उसकी हत्या हुई थी। जादू मंत्रालय में। दरअसल इसकी जाँच होने वाली है ...'

प्रधानमंत्री को हैरानी हुई कि यह सुनकर उनके मन में फ़ज के प्रति करुणा का भाव आ गया था। बहरहाल, फ़ौरन ही उन्हें इस बात पर घमंड होने लगा कि हालाँकि वे अँगीठियों से प्रकट नहीं हो सकते थे, लेकिन उनके कार्यकाल में किसी सरकारी कार्यालय में हत्या नहीं हुई थी ... कम से कम अब तक तो नहीं ...'

यह सोचते हुए प्रधानमंत्री ने अंधविश्वास के चलते धीरे से अपनी लकड़ी की डेस्क को छुआ। फ़ज ने आगे कहा, 'ब्लैक अब मर चुका है। प्रधानमंत्री, मुद्दे की बात यह है कि युद्ध शुरू हो चुका है और अब क़दम उठाने ही पड़ेंगे।'

'युद्ध ?' प्रधानमंत्री ने घबराहट में दोहराया। 'निश्चित रूप से यह कहना तो थोड़ी अतिशयोक्ति होगी ?'

फ़ज थोड़ी जल्दी-जल्दी बोलने लगे, 'तुम-जानते-हो-कौन के साथ अब उसके वे समर्थक आ गए हैं, जो जनवरी में अज़्काबान से फ़रार हुए थे।' अब वे अपना हैट इतनी तेज़ी से घुमाने लगे थे कि यह नीबू जैसे हरे झोंके की तरह दिख रहा था। 'जब से वे लोग खुलकर सामने आए हैं, तब से लगातार क़हर बरपा रहे हैं। ब्रॉकडेल पुल वाला काम उसी का था, प्रधानमंत्री। उसने मुझे धमकी दी थी कि अगर मैं उसके लिए पद नहीं छोड़ूँगा, तो वह मगलुओं की सामूहिक हत्या करेगा और –'

प्रधानमंत्री ने आवेश में कहा, 'हे भगवान, तो यह *आपकी* ग़लती थी, जिसकी वजह से लोगों की मौत हुई है, जबकि ज़ंग लगे सामान तथा घिसे हुए खंभों जैसे आरोपों का जवाब मुझे देना पड़ रहा है!'

'*मेरी* ग़लती!' फ़ज ने आवेश में आते हुए कहा। 'आप यह कह रहे हैं कि आप ऐसे ब्लैकमेल के सामने झुक जाते ?'

'शायद नहीं,' प्रधानमंत्री ने खड़े होते हुए और कमरे में टहलते हुए कहा, 'लेकिन ब्लैकमेलर ऐसी तबाही मचा पाता, इससे पहले मैं उसे पकड़ने के लिए ज़मीन-आसमान एक कर देता!'

फ़ज तैश में आते हुए बोले, 'क्या आपको लगता है कि मैंने पूरी कोशिश नहीं की होगी ? मंत्रालय का हर ऑरर उसे और उसके समर्थकों को पकड़ने की कोशिश कर रहा था – और अब भी कर रहा है। लेकिन हम दुनिया के सबसे ताक़तवर जादूगर के बारे में बात कर रहे हैं, जो तीन दशकों से पकड़ में नहीं आया है!'

'मुझे लगता है, शायद आप मुझसे यह भी कहने वाले हैं कि पश्चिमी प्रांत में तूफ़ान भी उसी ने उत्पन्न किया था?' प्रधानमंत्री ने कहा, जिनका ग़ुस्सा हर क़दम के साथ बढ़ता जा रहा था। उन्हें इस बात पर ग़ुस्सा आ रहा था कि उन्हें इन भयंकर तबाहियों का कारण तो पता चल गया था, लेकिन वे यह बात जनता को नहीं बता सकते थे। यह तो सरकार की ग़लती होने से भी ज़्यादा बुरा था।

'वह तूफ़ान था ही नहीं,' फ़ज ने दुखी होकर कहा।

'माफ़ कीजिए!' प्रधानमंत्री ने उछलते और चीख़ते हुए कहा। 'पेड़ उखड़ गए थे, छतें टूट गई थीं, लैंपपोस्ट झुक गए थे, भयंकर चोटें -'

फ़ज ने कहा, 'यह प्राणभक्षियों ... यानी तुम-जानते-हो-कौन के समर्थकों का काम था। और ... और हमें यह भी संदेह है कि इसमें दानवों का हाथ भी हो सकता है।'

प्रधानमंत्री चहलक़दमी करते हुए अचानक रुक गए, जैसे किसी अदृश्य दीवार से टकरा गए हों।

'*किसका* हाथ?'

फ़ज मुस्कराए, 'पिछली बार बड़े कामों में उसने दानवों का इस्तेमाल किया था। कुप्रचार निवारण कार्यालय चौवीसों घंटे काम कर रहा है। हमारे विस्मृति अधिकारी उस घटना को देखने वाले सभी मगलुओं की याददाश्त मिटाने में जुटे हैं। जादुई प्राणी नियमन एवं नियंत्रण विभाग के ज़्यादातर कर्मचारी सॉमरसेट के आस-पास दौड़-धूप कर रहे हैं, लेकिन हमें अब तक एक भी दानव नहीं मिल पाया है - यह बहुत बुरा हुआ।'

प्रधानमंत्री ने आवेश में आते हुए कहा, 'आप यह क्या कह रहे हैं?'

'मैं इस बात से इंकार नहीं करूँगा कि मंत्रालय का मनोबल काफ़ी कम है,' फ़ज ने कहा। 'और अमेलिया बोन्स के मरने का अफ़सोस भी है।'

'किसके मरने का?'

'अमेलिया बोन्स के मरने का। जादुई क़ानून पालन विभाग की प्रमुख। हमें लगता है कि तुम-जानते-हो-कौन ने उनकी हत्या खुद की होगी, क्योंकि वे बहुत अच्छी जादूगरनी थीं - और सारे सबूत बताते हैं कि उन्होंने जमकर संघर्ष किया था।'

फ़ज ने अपना गला साफ़ किया और ऐसा लगा, जैसे अपना हैट घुमाना बंद करने के लिए उन्हें काफ़ी कोशिश करनी पड़ी थी।

'लेकिन उस हत्या की ख़बर तो अख़बारों में छपी थी,' प्रधानमंत्री का ग़ुस्सा अब हैरानी में बदल चुका था। '*हमारे* अख़बारों में। अमेलिया बोन्स ...

अख़बारों में तो लिखा था कि वे एक अधेड़ महिला थीं, जो अकेली रहती थीं। यह नृशंस हत्या थी, है ना? इससे काफ़ी सनसनी फैली थी। पुलिस हैरान है।'

फ़ज ने आह भरते हुए कहा, 'हाँ, ज़ाहिर है, पुलिस तो हैरान होगी ही। जिस कमरे में हत्या हुई थी, वह अंदर से बंद था। हालाँकि हम जानते हैं कि यह हत्या किसने की है, लेकिन हम हत्यारे को पकड़ नहीं पा रहे हैं। इसके अलावा एमेलिन वैन्स भी थी, लेकिन शायद आपने उसके बारे में नहीं सुना होगा -'

'ओह हाँ, मैंने सुना है!' प्रधानमंत्री ने कहा। 'सच तो यह है कि वह वारदात यहीं पास में हुई थी। अख़बार वालों ने इसे जमकर उछाला था : *प्रधानमंत्री के पड़ोस में क़ानून व्यवस्था से खिलवाड़* -'

फ़ज ने प्रधानमंत्री की बात को अनसुना करते हुए कहा, 'जैसे इतना सब ही काफ़ी नहीं था। हमें पता चला है कि अब तो दमपिशाच भी चारों तरफ़ घूम रहे हैं और हर जगह लोगों पर हमला कर रहे हैं ...'

पहले शायद यह वाक्य प्रधानमंत्री को समझ में नहीं आता, लेकिन अब वे ज़्यादा समझदार हो चुके थे।

उन्होंने सावधानी से कहा, 'मुझे लगता था कि दमपिशाच अज़्काबान में क़ैदियों की पहरेदारी करते हैं?'

'करते थे,' फ़ज ने थके अंदाज़ में कहा। 'लेकिन अब नहीं करते। उन्होंने जेल की पहरेदारी छोड़ दी है और जाकर तुम-जानते-हो-कौन के दल में शामिल हो गए हैं। मैं इस बात से इंकार नहीं करूँगा कि यह बहुत बड़ा झटका था।'

प्रधानमंत्री ने दहशत भरी आवाज़ में कहा, 'लेकिन कहीं आप यह तो नहीं कहना चाहते हैं कि ये प्राणी ही लोगों की आशाओं और ख़ुशियों को छीन रहे हैं?'

'बिलकुल ठीक कहा। और वे बढ़ते जा रहे हैं। इसी कारण इतना धुंध भरा माहौल है।'

प्रधानमंत्री के घुटने जवाब दे गए और वे अपने क़रीब वाली कुर्सी पर बैठ गए। यह सोच-सोचकर ही उन्हें चक्कर आ रहे थे कि अदृश्य प्राणी शहरों और देहातों में उड़ रहे थे तथा उनके मतदाताओं में निराशा फैला रहे थे।

'देखिए फ़ज - आपको कुछ करना होगा! जादू मंत्री होने के नाते यह आपकी ज़िम्मेदारी है!'

'मेरे प्यारे प्रधानमंत्री, क्या आपको लगता है कि इतने सारे झमेले के बाद भी मैं जादू मंत्री बना रहूँगा? मुझे तीन दिन पहले हटा दिया गया है! पूरा जादूगर समुदाय एक पखवाड़े से चिल्ला-चिल्लाकर मेरे इस्तीफ़े की माँग कर रहा था।

मैंने अपने पूरे कार्यकाल में उन्हें कभी इतना एकजुट नहीं देखा!' फ़ज ने मुस्कराने की बहादुरी भरी कोशिश करते हुए कहा।

प्रधानमंत्री कुछ पल के लिए अवाक् रह गए। अपनी हालत पर वे नाराज़ थे, लेकिन इसके बाद भी उन्हें अपने सामने बैठे निराश व्यक्ति के लिए सहानुभूति महसूस हुई।

उन्होंने आख़िरकार कहा, 'मुझे बहुत अफ़सोस है! क्या मैं आपके लिए कुछ कर सकता हूँ?'

'मदद के प्रस्ताव के लिए धन्यवाद, प्रधानमंत्री, लेकिन आप मेरे लिए कुछ नहीं कर सकते। मुझे आज रात को आपके पास सिर्फ़ इसलिए भेजा गया है, ताकि मैं आपको ताज़ा स्थिति की पूरी जानकारी दे दूँ और अपने उत्तराधिकारी से आपका परिचय करवा दूँ। मेरे ख़्याल से अब तक उन्हें यहाँ आ जाना चाहिए था, लेकिन ज़ाहिर है, इस वक़्त वे बहुत व्यस्त हैं, क्योंकि इतना कुछ हो रहा है।'

फ़ज ने मुड़कर बदसूरत नाटे आदमी की तरफ़ देखा, जो लंबे घुँघराले बालों की विग पहने था और एक क़लम की नोक से अपना कान साफ़ कर रहा था।

फ़ज की निगाह पड़ते ही उसने कहा, 'वे आने ही वाले हैं। इस समय वे डम्बलडोर को चिट्ठी लिख रहे हैं।'

'मेरी शुभकामनाएँ उनके साथ हैं,' फ़ज ने कहा और पहली बार उनकी आवाज़ में कटुता का पुट था। 'मैं पिछले पंद्रह दिन से हर दिन डम्बलडोर को दो चिट्ठियाँ लिख रहा था, लेकिन वे टस से मस नहीं हुए। अगर वे उस लड़के को राज़ी कर लेते, तो मैं अब भी जादू मंत्री होता ... ख़ैर, शायद स्क्रिमग्योर मुझसे ज़्यादा ख़ुशक़िस्मत साबित हों।'

दुखी फ़ज ख़ामोश हो गए। बहरहाल, लगभग तत्काल ही तस्वीर ने ख़ामोशी तोड़ दी। तस्वीर वाले जादूगर ने अचानक सख़्त, आधिकारिक लहज़े में कहा।

'मगलुओं के प्रधानमंत्री के लिए संदेश। मुलाक़ात का आग्रह। अत्यावश्यक। फ़ौरन जवाब दें। रूफ़स स्क्रिमग्योर, जादू मंत्री।'

'हाँ, हाँ, अच्छा,' प्रधानमंत्री ने बेध्यानी में कहा और अभी वे पलटे ही थे कि अँगीठी की लपटें एक बार फिर से हरी हो गईं और कुछ ही पल बाद शानदार गलीचे पर दूसरा घूमता हुआ जादूगर प्रकट हो गया। फ़ज उठकर खड़े हो गए। एक पल झिझकने के बाद प्रधानमंत्री भी खड़े हो गए। नया आगंतुक सीधा खड़ा हुआ और अपने लंबे काले दुशालों पर लगी राख को साफ़ करके चारों तरफ़ देखने लगा।

प्रधानमंत्री के मन में पहले तो यह मूर्खतापूर्ण विचार आया कि र्‌यूफ़स स्क्रिमग्योर बूढ़े शेर हैं। उनके हल्के नारंगी बालों और घनी भौंहों में सफ़ेद लकीरें थीं। उनकी आँखें पीली थीं, जिन पर तार के फ्रेम वाला चश्मा था। हालाँकि वे थोड़ा लँगड़ाकर चलते थे, लेकिन उनकी चाल में एक शाही अंदाज़ झलकता था। उन्हें देखकर लगता था कि वे चालाक और सख़्त होंगे। प्रधानमंत्री को समझ में आ गया कि संकट की इस घड़ी में जादूगर समुदाय ने फ़ज की जगह पर स्क्रिमग्योर को क्यों चुना था।

'आप कैसे हैं?' प्रधानमंत्री ने विनम्रता से कहते हुए अपना हाथ आगे बढ़ाया।

स्क्रिमग्योर ने बहुत कम देर हाथ मिलाया, कमरे में चारों तरफ़ नज़रें दौड़ाईं और फिर दुशाले में से छड़ी बाहर निकाल ली।

उन्होंने पूछा, 'फ़ज ने आपको सब कुछ बता दिया?' फिर वे दरवाज़े तक चलकर गए और अपनी छड़ी से की-होल को ठोंका। प्रधानमंत्री को लॉक लगने की आवाज़ सुनाई दी।

'अर - देखिए,' प्रधानमंत्री ने कहा। 'अगर आपको बुरा न लगे, तो मैं लॉक को खुला रखना चाहता हूँ।'

'मैं नहीं चाहता कि कोई बीच में बाधा डाले,' स्क्रिमग्योर ने कहा, 'न ही देखे,' उन्होंने आगे कहा, जब उन्होंने अपनी छड़ी से खिड़कियों की तरफ़ इशारा करके पर्दे बंद कर दिए। 'अब ठीक है! अच्छा, इस समय मैं काफ़ी व्यस्त हूँ, इसलिए हम सीधे काम की बात पर आते हैं। सबसे पहले तो हमें आपकी सुरक्षा के बारे में बातचीत करनी होगी।'

प्रधानमंत्री अपनी पूरी ऊँचाई तक तनकर खड़े हुए और बोले, 'धन्यवाद, लेकिन मैं अपनी वर्तमान सुरक्षा व्यवस्था से पूरी तरह संतुष्ट हूँ -'

'हम नहीं हैं,' स्क्रिमग्योर ने बात काटते हुए कहा। 'यह मगलुओं के लिए बहुत बुरा होगा, अगर उनका प्रधानमंत्री सम्मोहन शाप के वशीभूत होकर काम करने लगे। आपके बाहरी ऑफ़िस में जो नया सेक्रेटरी आया है -'

प्रधानमंत्री ने गर्मजोशी से कहा, 'आप चाहे जो कहें, मैं किंग्सले शैकलबोल्ट को कभी नहीं निकालूँगा! वह बहुत कार्यकुशल है! वह बाक़ी लोगों से दोगुना काम करता है -'

'ऐसा इसलिए है, क्योंकि वह जादूगर है,' स्क्रिमग्योर ने बिना मुस्कराए कहा। 'वह बहुत प्रशिक्षित ऑरर है, जिसे आपकी सुरक्षा के लिए नियुक्त किया गया है।'

प्रधानमंत्री ने कहा, 'ज़रा ठहरें! आप अपने लोगों को मेरे ऑफ़िस में नियुक्त नहीं कर सकते। देखिए, मेरे यहाँ कौन काम करेगा, यह फ़ैसला मैं ही करूँगा –'

स्क्रिमग्योर ने ठंडे स्वर में कहा, 'अभी तो आप कह रहे थे कि आप शैकलबोल्ट के काम से ख़ुश हैं!'

'मैं ख़ुश हूँ – मेरा मतलब है, मैं ख़ुश था –'

'तो फिर तो कोई दिक्क़त ही नहीं है, है ना ?' स्क्रिमग्योर ने कहा।

'मैं ... ठीक है, जब तक शैकलबोल्ट का काम ... उत्कृष्ट रहता है,' प्रधानमंत्री ने कमज़ोर आवाज़ में कहा, लेकिन ऐसा लगा जैसे स्क्रिमग्योर ने उनकी बात सुनी ही नहीं थी।

'अब आपके कनिष्ठ मंत्री हरबर्ट कोर्ली के बारे में –' उन्होंने आगे कहा, 'जो बतख़ की नक़ल करके जनता का मनोरंजन कर रहा है।'

'उसके बारे में क्या ?' प्रधानमंत्री ने पूछा।

स्क्रिमग्योर बोले, 'स्पष्ट रूप से उस पर ग़लत तरीक़े से सम्मोहन शाप किया गया था। इससे उसका दिमाग़ घूम गया है और वह लोगों के लिए ख़तरा बन चुका है।'

'वह सिर्फ़ बतख़ जैसी आवाज़ ही तो निकाल रहा है!' प्रधानमंत्री ने कमज़ोर स्वर में कहा। 'निश्चित रूप से थोड़े से आराम से ... शायद पीना कम करने से ...'

स्क्रिमग्योर ने कहा, 'सेंट मंगोज़ जादुई रोग एवं दुर्घटना अस्पताल के उपचारकों का एक दल इस वक़्त उसकी जाँच कर रहा है। अब तक वह तीन उपचारकों का गला घोंटने की कोशिश कर चुका है। मुझे लगता है, सबसे अच्छा यही रहेगा कि हम उसे कुछ समय के लिए मगलुओं के बीच से हटा लें।'

'मैं ... अच्छा ... वह ठीक तो हो जाएगा, है ना ?' प्रधानमंत्री ने चिंता के साथ पूछा। स्क्रिमग्योर कंधे उचकाकर अँगीठी की तरफ़ बढ़ने लगे।

'देखिए, मुझे आपसे बस इतना ही कहना था। प्रधानमंत्री, मैं आपको आगे की घटनाओं के बारे में बताता रहूँगा – या, अगर व्यस्तता के कारण मैं व्यक्तिगत रूप से नहीं आ पाया, तो फ़ज को भेज दूँगा। फ़ज सलाहकार बनने के लिए राज़ी हो गए हैं।'

फ़ज ने मुस्कराने की कोशिश की, लेकिन सफल नहीं हुए। वे इस तरह दिख रहे थे, जैसे उनके दाँतों में दर्द हो। स्क्रिमग्योर अपनी जेब में उस रहस्यमय पाउडर की तलाश कर रहे थे, जिससे आग हरी हो जाती थी। प्रधानमंत्री ने एक

पल के लिए दोनों जादूगरों को निराशा से घूरा। फिर पूरी मुलाक़ात में वे जिन शब्दों को दबाने की कोशिश कर रहे थे, वे उनके मुँह से निकल पड़े।

'लेकिन सुनिए – आप *जादूगर* हैं! आप *जादू* कर सकते हैं! निश्चित रूप से आप *हर चीज़* ठीक कर सकते हैं!'

स्क्रिमग्योर धीरे से मुड़े और उन्होंने हैरानी से फ़ज की तरफ़ देखा, जो आख़िरकार मुस्कराने में कामयाब हो गए और धीरे से बोले, 'दिक़्क़त यह है प्रधानमंत्री कि सामने वाले भी जादू कर सकते हैं!'

इतना कहने के बाद दोनों जादूगर एक-एक करके हरी आग में चले गए और ओझल हो गए।

अध्याय दो

स्पिनर्स एंड

जो ठंडी धुंध प्रधानमंत्री की खिड़कियों के बाहर थी, वह कई मील दूर एक गंदी नदी के ऊपर भी छाई थी। इस नदी के किनारे कचरे के ढेर से ढँके थे। ऊपर एक बंद मिल की विशाल चिमनी नज़र आ रही थी, जो अँधेरे में थोड़ी डरावनी दिख रही थी। पानी की आवाज़ के अलावा और कोई आवाज़ नहीं आ रही थी। आस-पास एक दुबली-पतली लोमड़ी के अलावा कोई नहीं था। यह लोमड़ी ऊँची घास में सूँघकर किनारे पर मरी पड़ी किसी पुरानी मछली या खाने के सामान की तलाश कर रही थी।

लेकिन तभी एक बहुत हल्की *खट्‌ट* की आवाज़ हुई और एक दुबली-पतली नक़ाबपोश आकृति हवा में से नदी के किनारे पर प्रकट हो गई। लोमड़ी एकदम स्थिर हो गई और उस आकृति को बहुत सावधानी से देखने लगी। कुछ पल तक इधर-उधर देखने के बाद आकृति तेज़-तेज़ क़दमों से चलने लगी। उसका लंबा चोगा घास पर सरसरा रहा था।

फिर एक और *खट्‌ट* की आवाज़ के साथ दूसरी नक़ाबपोश आकृति प्रकट हो गई।

उस आकृति ने चिल्लाकर कहा, 'ठहरो!'

चिल्लाने की इस कठोर आवाज़ से लोमड़ी चौंक गई। अब तक वह घास में दुबकी हुई थी। लेकिन अब दहशत में आकर वह उछली और उसने किनारे पर छलाँग लगा दी। हरी रोशनी की चमक हुई और एक चीख़ के साथ लोमड़ी ज़मीन पर गिर गई - वह मर चुकी थी।

दूसरी आकृति ने अपने पैर से उसे पलटा।

'बस लोमड़ी है,' नक़ाब के नीचे से किसी महिला की आवाज़ आई। 'मुझे लगा था, शायद कोई ऑरर होगा - बहना, ज़रा ठहरो!'

उसके आगे जाने वाली महिला रोशनी की चमक को देखकर ठहर गई थी, लेकिन अब वह उस किनारे पर ऊपर जा रही थी, जहाँ लोमड़ी अभी-अभी गिरी थी।

'बहन - नार्सिसा - मेरी बात सुनो -'

दूसरी महिला ने पहली महिला का हाथ पकड़ लिया, लेकिन उसने हाथ छुड़ा लिया।

'वापस लौट जाओ, बेला!'

'तुम्हें मेरी बात सुननी ही होगी!'

'मैं तुम्हारी बात सुन चुकी हूँ। मैंने फ़ैसला कर लिया है। मुझे अकेला छोड़ दो!'

नार्सिसा नाम की महिला अब किनारे के ऊपर पहुँच गई, जहाँ पुरानी रेलिंग नदी को एक सँकरी सड़क से अलग करती थी। बेला नाम की महिला तत्काल उसके पीछे चल दी। चलते समय वे सड़क किनारे बने ईंट के खंडहर मकानों को देखती रहीं, जिनकी खिड़कियाँ अँधेरे में डूबी थीं।

बेला ने हिक़ारत भरी आवाज़ में कहा, 'वह यहाँ रहता है? *यहाँ?* इस मगलू तबेले में? इस जगह पर क़दम रखने वाले हम पहले जादूगर होंगे -'

लेकिन नार्सिसा उसकी बात नहीं सुन रही थी। वह तो ज़ंग लगी रेलिंगों के बीच की एक दरार में से निकलकर तेज़ी से सड़क की तरफ़ जा रही थी।

'बहन, *सुनो तो सही! रुको!*'

बेला नार्सिसा के पीछे-पीछे चल दी। उसका चोगा पीछे लहरा रहा था। उसने देखा कि नार्सिसा मकानों के बीच की एक गली से दूसरी सड़क पर पहुँच गई थी, जो पहले वाली सड़क से काफ़ी मिलती-जुलती थी। वहाँ की कुछ स्ट्रीटलाइटें टूटी हुई थीं। दोनों महिलाएँ रोशनी के टुकड़ों और गहरे अँधेरे के बीच तेज़-तेज़ चल रही थीं। मोड़ पर बेला ने नार्सिसा को पकड़ लिया। इस बार वह उसका हाथ पकड़ने में कामयाब हो गई और उसे घुमा दिया, ताकि वे आमने-सामने हो जाएँ।

'बहन, तुम्हें यह काम नहीं करना चाहिए। तुम उस पर भरोसा नहीं कर सकतीं -'

'शैतानी शहंशाह भी तो उस पर भरोसा करते हैं, है ना?'

'मुझे लगता है ... शैतानी शहंशाह ... ग़लत भरोसा करते हैं,' बेला ने हाँफते हुए कहा और उसकी आँखें नक़ाब के नीचे से चारों तरफ़ घूमकर देखने लगीं कि कहीं कोई उनकी बात सुन तो नहीं रहा है। 'चाहे जो हो, हमें चेतावनी

दी गई है कि हम यह योजना किसी को भी न बताएँ। ऐसा करना शैतानी शहंशाह के आदेश की अवहेलना होगी –'

'मुझे छोड़ दो, बेला!' नार्सिसा गुर्राई और उसने अपने चोगे के नीचे से छड़ी निकालकर बेला के चेहरे की तरफ़ लहराई। बेला हँस पड़ी।

'तुम अपनी ही बहन पर वार करोगी? तुम ऐसा नहीं कर सकतीं –'

'इस वक़्त मैं कुछ भी कर सकती हूँ!' नार्सिसा ने बौखलाई आवाज़ में कहा और अपनी छड़ी चाकू की तरह नीचे की, जिससे रोशनी की एक और चमक हुई। बेला ने अपनी बहन का हाथ इस तरह छोड़ दिया, जैसे जल गई हो।

'नार्सिसा!'

लेकिन नार्सिसा तो तब तक आगे जा चुकी थी। अपना हाथ मलते हुए बेला उसके पीछे-पीछे चल दी, हालाँकि अब वह उससे थोड़ी दूरी पर चल रही थी। वे ईंट के मकानों की वीरान भूलभुलैया में और अंदर पहुँच गईं। आख़िरकार नार्सिसा स्पिनर्स एंड नाम की सड़क पर पहुँच गई, जहाँ मिल की ऊँची चिमनी किसी दैत्याकार उँगली की तरह खड़ी दिख रही थी। बंद और टूटी खिड़कियों के पास से गुज़रते समय उसके क़दमों की आहट गूँज रही थी। आख़िरकार वह सड़क पर बने आख़िरी मकान के पास पहुँच गई, जहाँ नीचे वाली मंज़िल के कमरे के पर्दे में से हल्की रोशनी दिखाई दे रही थी।

उसने दरवाज़े पर दस्तक दी। तब तक बेला बड़बड़ाती हुई उसके पास आ चुकी थी। वे दोनों इंतज़ार करते समय हाँफ रही थीं। गंदी नदी से आती बदबू रात की हवा में भरी हुई थी। कुछ पल बाद उन्हें दरवाज़े के पीछे हलचल सुनाई दी और यह थोड़ा सा खुल गया। एक आदमी की हल्की सी झलक दिखाई दी, जिसके लंबे काले बाल पीले चेहरे और काली आँखों के ऊपर पर्दों की तरह झूल रहे थे।

नार्सिसा ने अपना नक़ाब पीछे पलट दिया। उसका चेहरा इतना पीला था कि अँधेरे में चमक रहा था। उसके पीछे झूल रहे लंबे सुनहरे बालों के कारण वह पानी में डूबी हुई महिला की तरह दिख रही थी।

'नार्सिसा!' उस आदमी ने दरवाज़े को थोड़ा ज़्यादा खोलते हुए कहा, जिससे नार्सिसा और उसकी बहन पर रोशनी पड़ने लगी। 'कितना सुखद आश्चर्य है!'

'सीवियरस,' नार्सिसा फुसफुसाकर बोली। 'क्या मैं तुमसे बात कर सकती हूँ? बहुत ज़रूरी बात है।'

'हाँ, हाँ, क्यों नहीं।'

स्नेप उन्हें जगह देने के लिए थोड़े पीछे हट गए। नक़ाबपोश बेला बिना आमंत्रण के अंदर जाने लगी।

पास से गुज़रते समय उसने रूखे स्वर में कहा, 'स्नेप।'

स्नेप बोले, 'बेलाट्रिक्स!' उनका पतला मुँह थोड़ी व्यंग्यात्मक मुस्कान में सिकुड़ गया और उन्होंने दरवाज़ा धड़ से बंद कर दिया।

वे सभी एक छोटे सिटिंग रूम में पहुँच गए, जो अँधेरी कोठरी जैसा लग रहा था। दीवारें पूरी तरह से पुस्तकों से ढँकी हुई थीं। ज़्यादातर पुस्तकों पर चमड़े के पुराने काले या भूरे कवर चढ़े थे। एक जर्जर सोफ़ा था, एक पुरानी कुर्सी थी और एक खटारा टेबल भी रखी थी। छत से लटक रहे लैंप से हल्की रोशनी आ रही थी। ऐसा लग रहा था, जैसे यह *जगह* लंबे समय से उपेक्षित रही थी और यहाँ आम तौर पर कोई नहीं रहता था।

स्नेप ने नार्सिसा को सोफ़े पर बैठने का इशारा किया। नार्सिसा ने अपना चोगा उतारकर एक तरफ़ फेंक दिया और बैठ गई। उसने अपने काँपते हुए सफ़ेद हाथ अपनी गोद में रख लिए। बेलाट्रिक्स ने धीरे से अपना नक़ाब हटाया। उसकी बहन नार्सिसा गोरी थी, जबकि वह साँवली थी, उसकी पलकें भारी थीं और उसका जबड़ा उभरा हुआ था। नार्सिसा के पीछे खड़े होने के लिए जाते समय भी उसने स्नेप पर से अपनी नज़रें एक पल के लिए भी नहीं हटाईं।

'मैं तुम्हारे लिए क्या कर सकता हूँ?' स्नेप ने पूछा और दोनों बहनों के सामने वाली कुर्सी पर बैठ गया।

नार्सिसा ने धीरे से पूछा, 'हम ... हम अकेले हैं, है ना?'

'हाँ, ज़ाहिर है। देखो, वर्मटेल भी यहाँ है, लेकिन हम कीड़े-मकोड़ों की परवाह नहीं करेंगे, है ना?'

उन्होंने अपनी छड़ी अपने पीछे की पुस्तकों की दीवार की तरफ़ लहराई। तत्काल एक धमाका हुआ और उसके पीछे छिपा हुआ एक दरवाज़ा खुल गया। वहाँ एक सँकरी सीढ़ी नज़र आई, जिस पर एक नाटा आदमी खड़ा था।

स्नेप ने अलसाई आवाज़ में कहा, 'वर्मटेल, जैसा तुम्हें एहसास हो गया होगा, हमारे यहाँ मेहमान आए हैं।'

नाटा आदमी झुककर आख़िरी कुछ सीढ़ियाँ उतरा और कमरे में आ गया। उसकी आँखें छोटी और पानीदार थीं। उसकी नाक नुकीली थी और उसके चेहरे पर चापलूसी भरी मुस्कान थी। उसका बायाँ हाथ उसके दाएँ हाथ को सहला रहा था, जिसे देखकर ऐसा लग रहा था, जैसे उस पर चाँदी का ग़लाफ़ चढ़ा हो।

'नार्सिसा!' उसने चूँ-चूँ करती आवाज़ में कहा, 'और बेलाट्रिक्स! कितना बढ़िया है -'

स्नेप बोले, 'वर्मटेल हमारे लिए ड्रिंक्स लेकर आएगा और इसके बाद अपने बेडरूम में चला जाएगा।'

वर्मटेल ने इस तरह आह भरी, जैसे स्नेप ने उसे कोई चीज़ फेंककर मार दी हो।

'मैं तुम्हारा नौकर नहीं हूँ!' उसने चूँ-चूँ करती आवाज़ में कहा, लेकिन स्नेप से नज़रें नहीं मिलाईं।

'अच्छा ? मुझे तो लग रहा था कि शैतानी शहंशाह ने तुम्हें यहाँ मेरी मदद के लिए भेजा है।'

'हाँ, मदद के लिए भेजा है - लेकिन तुम्हारे ड्रिंक्स बनाने - और तुम्हारा घर साफ़ करने के लिए नहीं भेजा है!'

'वर्मटेल, मुझे पता नहीं था कि तुम इससे ज़्यादा ख़तरनाक कामों में दिलचस्पी रखते हो,' स्नेप ने रेशमी अंदाज़ में कहा। 'इसका आसानी से इंतज़ाम किया जा सकता है : मैं शैतानी शहंशाह से बात कर लूँगा -'

'अगर मैं चाहूँ, तो मैं ख़ुद ही उनसे बात कर सकता हूँ!'

'ज़ाहिर है, तुम कर सकते हो,' स्नेप ने व्यंग्य से कहा। 'लेकिन उससे पहले ड्रिंक्स ले आओ। घरेलू जिन्नों की बनाई शराब अच्छी रहेगी।'

वर्मटेल एक पल के लिए झिझका। ऐसा लगा, जैसे वह बहस करना चाहता हो, लेकिन फिर वह मुड़ा और एक दूसरे छिपे हुए दरवाज़े से चला गया। उन्हें दरवाज़ा भड़भड़ाने और गिलासों के खनकने की आवाज़ आई। कुछ ही क्षणों में वह लौट आया। उसके हाथ में एक ट्रे थी, जिस पर एक धूल खाई बोतल और तीन गिलास थे। उसने ट्रे जर्जर टेबल पर पटक दी और तेज़ी से चला गया। जाते-जाते वह अपने पीछे पुस्तकों से ढँके दरवाज़े को धड़ाम से बंद कर गया।

स्नेप ने ख़ून जैसी लाल शराब तीन गिलासों में भरी और दोनों बहनों को एक-एक गिलास पकड़ा दिया। नार्सिसा ने बुदबुदाकर धन्यवाद दिया, जबकि बेलाट्रिक्स बिना कुछ बोले स्नेप को लगातार ग़ुस्से से घूरती रही। उसके इस अंदाज़ से स्नेप ज़रा भी विचलित नहीं दिख रहे थे, बल्कि थोड़े ख़ुश दिख रहे थे।

'शैतानी शहंशाह के नाम,' स्नेप ने अपना गिलास उठाकर उसे ख़ाली करते हुए कहा।

दोनों बहनों ने भी ऐसा ही किया। स्नेप ने उनके गिलास दोबारा भर दिए।

जब नार्सिसा ने अपना दूसरा गिलास ख़त्म कर लिया, तो वह तेज़ी से बोली, 'सीवियरस, मुझे इस तरह यहाँ आने के लिए अफ़सोस है, लेकिन मुझे तुमसे मिलना ही था। मुझे लगता है कि सिर्फ़ तुम ही मेरी मदद कर सकते हो –'

स्नेप ने उसे रोकने के लिए हाथ उठाया और अपनी छड़ी सीढ़ियों वाले छिपे हुए दरवाज़े की तरफ़ की। एक तेज़ धमाका और चीख़ सुनाई दी, फिर वर्मटेल के तेज़ी से सीढ़ियाँ चढ़ने की आवाज़ सुनाई दी।

'माफ़ी चाहता हूँ,' स्नेप ने कहा। 'कुछ समय से वह दरवाज़ों के पीछे छिपकर बातें सुनने लगा है। मुझे नहीं पता कि वह ऐसा क्यों करता है ... हाँ तो, तुम कुछ कह रही थीं, नार्सिसा?'

नार्सिसा ने एक गहरी कँपकँपाती साँस ली, फिर दोबारा बोली।

'सीवियरस, मैं जानती हूँ कि मुझे यहाँ नहीं आना चाहिए था। मुझसे कहा गया था कि मैं यह बात किसी को भी नहीं बताऊँ, लेकिन –'

'तब तो तुम्हें कुछ नहीं कहना चाहिए!' बेलाट्रिक्स ने ग़ुर्राते हुए कहा। 'ख़ास तौर पर इसके सामने!'

'इसके सामने?' स्नेप ने व्यंग्य से दोहराया। 'इस बात का क्या मतलब है, बेलाट्रिक्स?'

'इस बात का मतलब यह है कि मुझे तुम पर भरोसा नहीं है, स्नेप, जैसा तुम बहुत अच्छी तरह जानते हो!'

नार्सिसा ने सुबकने जैसी आवाज़ निकाली और अपना चेहरा हाथों में छिपा लिया। स्नेप ने टेबल पर अपना गिलास रखा और दोबारा टिककर बैठ गए। उनके हाथ उनकी कुर्सी के हत्थों पर थे और वे बेलाट्रिक्स के ग़ुस्से भरे चेहरे को देखकर मुस्करा रहे थे।

स्नेप ने कहा, 'नार्सिसा, मुझे लगता है कि हमें पहले वह सुन लेना चाहिए, जो बेलाट्रिक्स कहने के लिए बेताब है। इससे वह बार-बार बीच में बाधा नहीं डालेगी। अच्छा, तो बताओ बेलाट्रिक्स, तुम्हें मुझ पर भरोसा क्यों नहीं है?'

'सैकड़ों कारण हैं!' वह ज़ोर से बोली और सोफ़े के पीछे से आगे आते हुए उसने टेबल पर अपना गिलास धम्म से रख दिया। 'कहाँ से शुरू करूँ! जब शैतानी शहंशाह का पतन हुआ था, उस वक़्त तुम कहाँ थे? जब वे ग़ायब हो गए थे, तो तुमने उन्हें ढूँढ़ने की कोशिश क्यों नहीं की? तुम इतने सालों से क्या कर रहे थे, जब तुम डम्बलडोर की जेब में रह रहे थे? तुमने शैतानी शहंशाह को

पारस पत्थर हासिल करने से क्यों रोका? जब शैतानी शहंशाह का पुनर्जन्म हुआ, तो तुम उनके पास फ़ौरन क्यों नहीं पहुँचे? तुम कुछ सप्ताह पहले कहाँ थे, जब हमने शैतानी शहंशाह की भविष्यवाणी हासिल करने के लिए युद्ध किया था? और स्नेप, हैरी पॉटर अब भी ज़िंदा क्यों है, जबकि वह पाँच साल से तुम्हारे रहमोकरम पर है?'

वह चुप हो गई। उसका सीना बहुत तेज़ी से ऊपर-नीचे हो रहा था। उसके गालों पर लाल रंग आ गया था। उसके पीछे नार्सिसा स्थिर बैठी थी और उसका चेहरा अब भी उसके हाथों में छिपा हुआ था।

स्नेप मुस्कराए।

'इन सवालों का जवाब देने से पहले – ओह हाँ, बेलाट्रिक्स, मैं इनका जवाब दूँगा! तुम मेरे ये शब्द उन लोगों तक पहुँचा देना, जो मेरी पीठ पीछे कानाफूसी करते हैं और मेरे विश्वासघात की झूठी कहानियाँ शैतानी शहंशाह तक पहुँचाते हैं! मैं उनका मुँह बंद करने के लिए तुम्हारे इन सभी सवालों का जवाब दूँगा और तुम मेरी बात उन तक पहुँचा देना! बहरहाल, तुम्हारे सवालों का जवाब देने से पहले मैं तुमसे एक सवाल पूछना चाहता हूँ। क्या तुम सचमुच ऐसा समझती हो कि शैतानी शहंशाह ने मुझसे ये सभी सवाल नहीं पूछे होंगे? और अगर मैं उन्हें संतोषजनक जवाब नहीं दे पाया होता, तो क्या मैं तुम्हारे सामने बात करने के लिए यहाँ बैठा होता?'

वह झिझकी।

'मैं जानती हूँ कि वे तुम पर यक़ीन करते हैं, लेकिन –'

'तुम्हें लगता है कि वे ग़लती कर रहे हैं? या यह कि मैंने किसी तरह उन्हें चकमा दे दिया है? शैतानी शहंशाह को मूर्ख बना दिया है, जो दुनिया के सबसे बड़े जादूगर हैं, संसार के सबसे निपुण गुप्त-घुसपैठिए हैं?'

बेलाट्रिक्स कुछ नहीं बोली, लेकिन वह पहली बार थोड़ी परेशान दिखी। स्नेप ने इस बात पर ज़्यादा ज़ोर नहीं दिया। उन्होंने अपना गिलास दोबारा उठाकर उसमें से एक घूँट पिया और आगे बोलने लगे, 'तुमने पूछा है कि जब शैतानी शहंशाह का पतन हुआ, उस वक़्त मैं कहाँ था। मैं वहीं था, जहाँ रहने का उन्होंने मुझे आदेश दिया था – हॉगवर्ट्स जादूगरी और तंत्र विद्यालय में, क्योंकि वे मुझसे एल्बस डम्बलडोर की जासूसी करवाना चाहते थे। तुम्हें पता होगा, मैं शैतानी शहंशाह के आदेश पर ही वहाँ गया था?'

बेलाट्रिक्स ने बहुत हल्के से सिर हिलाया और अपना मुँह खोला, लेकिन स्नेप ने उसे बोलने का मौक़ा नहीं दिया।

'तुमने मुझसे पूछा है कि जब वे ग़ायब हुए थे, तो मैंने उन्हें ढूँढ़ने की कोशिश क्यों नहीं की। उसी कारण से, जिस कारण से एवरी, याक्सले, कैरो दंपति, ग्रेबैक, लूसियस,' उन्होंने अपना सिर हल्के से नार्सिसा की तरफ़ हिलाया, 'और कई अन्य लोगों ने उन्हें खोजने की कोशिश नहीं की। मुझे यक़ीन था कि वे ख़त्म हो चुके हैं। मुझे इस बात पर गर्व नहीं है। मैं ग़लत समझा था, लेकिन हक़ीक़त यही थी ... अगर उन्होंने हम जैसे विश्वास खो चुके लोगों को माफ़ नहीं किया होता, तो आज उनके पास बहुत कम समर्थक बचते।'

'मैं उनके साथ थी!' बेलाट्रिक्स ने जोश से कहा। 'मैंने उनकी ख़ातिर अज़्काबान में कई साल बिताए हैं!'

'हाँ, सचमुच, बहुत प्रशंसनीय है,' स्नेप ने ऊबी हुई आवाज़ में कहा। 'ज़ाहिर है, तुम जेल में उनके लिए ज़्यादा उपयोगी नहीं थीं, लेकिन तुम्हारा प्रयास बेशक सराहनीय था -'

'प्रयास!' वह चिल्लाई। ग़ुस्से के कारण वह थोड़ी पगलाई हुई लग रही थी। 'जब मैं दमपिशाचों की य.तना झेल रही थी, तब तुम हॉगवर्ट्स में डम्बलडोर के पालतू कुत्ते बनकर चैन से रह रहे थे!'

'ऐसी बात नहीं है,' स्नेप ने शांति से कहा। 'उन्होंने मुझे गुप्त कलाओं से रक्षा के टीचर का पद कभी नहीं दिया। उन्हें लगा कि शायद इससे मैं पुराने दौर में पहुँच सकता हूँ ... अपने पुराने तरीक़ों के प्रलोभन में फँस सकता हूँ।'

'तो अपने प्रिय विषय को न पढ़ा पाना ही वह त्याग था, जो तुमने शैतानी शहंशाह के लिए किया?' बेलाट्रिक्स ने व्यंग्य से पूछा। 'तुम वहाँ पूरे समय क्यों रहे, स्नेप? क्या तुम तब भी उस मालिक के लिए डम्बलडोर की जासूसी कर रहे थे, जिसे तुमने मरा हुआ मान लिया था?'

'नहीं,' स्नेप ने कहा, 'हालाँकि शैतानी शहंशाह इस बारे में ख़ुश थे कि मैंने वह जगह नहीं छोड़ी। जब वे लौटे, तो मैं उन्हें डम्बलडोर के बारे में सोलह साल की जानकारी दे सकता था, जो उनके लिए कहीं ज़्यादा अच्छा उपहार था, बजाय इन यादों के कि अज़्काबान कितनी बुरी जगह है ...'

'लेकिन तुम वहीं रुके रहे -'

'हाँ बेलाट्रिक्स, मैं वहीं रुका रहा,' स्नेप ने पहली बार अधीरता की झलक दिखाते हुए कहा। 'मेरे पास एक आरामदेह नौकरी थी, जिसे मैं अज़्काबान जाने से ज़्यादा पसंद करता था। तुम तो जानती ही हो, मंत्रालय के लोग प्राणभक्षियों को पकड़ रहे थे। डम्बलडोर के संरक्षण की वजह से मैं जेल जाने से बच गया। यह संरक्षण बहुत ही लाभदायक था और मैंने इसका इस्तेमाल किया। मैं दोहराता हूँ : शैतानी शहंशाह मेरे वहाँ रुकने से नाख़ुश नहीं हैं, इसलिए

मुझे यह समझ में नहीं आता है कि तुम नाख़ुश क्यों हो।

'मुझे लगता है, इसके बाद तुम यह जानना चाहती थीं,' उन्होंने ज़ोर से कहा, क्योंकि बेलाट्रिक्स उनकी बात काटने के मूड में दिख रही थी, 'कि मैं शैतानी शहंशाह और पारस पत्थर के बीच में क्यों आया? इसका जवाब आसानी से दिया जा सकता है। उन्हें मुझ पर भरोसा नहीं था। तुम्हारी ही तरह उन्होंने भी सोचा था कि मैं वफ़ादार प्राणभक्षी के बजाय डम्बलडोर के हाथों की कठपुतली बन गया था। वे बहुत दुखद स्थिति में थे, बहुत कमज़ोर थे और एक घटिया जादूगर के शरीर में रह रहे थे। उनमें इतनी हिम्मत नहीं थी कि वे एक पूर्व समर्थक के सामने ख़ुद को उजागर कर दें, क्योंकि हो सकता था कि वह समर्थक उन्हें डम्बलडोर या मंत्रालय के हाथों पकड़वा देता। मुझे इस बात का गहरा दुख है कि उन्होंने मुझ पर भरोसा नहीं किया, नहीं तो वे तीन साल पहले ही शक्तिशाली बन गए होते! बहरहाल, मैंने सिर्फ़ लालची और घटिया क्विरिल को पारस पत्थर चुराने की कोशिश करते देखा और मैंने उसका रास्ता रोकने की पूरी कोशिश की।'

बेलाट्रिक्स का मुँह इस तरह सिकुड़ गया, जैसे उसने कोई कड़वी दवा पी ली हो।

'लेकिन जब वे वापस लौटे, तो तुम उनके पास नहीं पहुँचे। जब तुम्हें शैतानी निशान जलता महसूस हुआ, तो तुम फ़ौरन उनके पास नहीं पहुँचे थे –'

'सही कहा। मैं दो घंटे बाद पहुँचा था। मैं डम्बलडोर के आदेश पर गया था।'

'डम्बलडोर के – ?' उसने ग़ुस्से भरे लहज़े में बोलना शुरू किया।

स्नेप ने एक बार फिर अधीरता से कहा, 'सोचो! ज़रा सोचो! दो घंटे, सिर्फ़ दो घंटे इंतज़ार करके मैंने यह सुनिश्चित कर लिया कि मैं हॉगवर्ट्स में भविष्य में भी जासूसी कर सकता था! मैंने डम्बलडोर को यह समझने दिया कि सिर्फ़ उनके आदेश के कारण ही मैं शैतानी शहंशाह के पास जा रहा हूँ। उसके बाद से मैं शैतानी शहंशाह को डम्बलडोर और मायापंछी के समूह के बारे में जानकारी दे रहा हूँ! सोचो, बेलाट्रिक्स, सोचो : शैतानी निशान महीनों से गहरा होता जा रहा था। मैं जानता था कि शैतानी शहंशाह लौटने वाले हैं। सभी प्राणभक्षी जानते थे! मेरे पास यह सोचने का काफ़ी समय था कि मैं क्या करूँ। मेरे पास अगला क़दम उठाने की योजना बनाने का पूरा मौक़ा था। मैं कारकारोफ़ की तरह भाग भी सकता था, है ना?

'मैंने शैतानी शहंशाह को बता दिया कि मैं उनका वफ़ादार था, हालाँकि डम्बलडोर मुझे अपना आदमी मानते थे। मैं तुम्हें आश्वस्त करता हूँ कि यह

सुनकर मेरे देर से आने पर शैतानी शहंशाह का शुरुआती ग़ुस्सा काफ़ूर हो गया। हाँ, उन्होंने मान लिया था कि मैं उन्हें पूरी तरह से छोड़ चुका हूँ, लेकिन वे ग़लत थे।'

बेलाट्रिक्स ने व्यंग्य से कहा, 'लेकिन तुम किस काम के हो? तुमने हमें कौन सी उपयोगी जानकारी दी है?'

'मैं जानकारी सीधे शैतानी शहंशाह को देता हूँ,' स्नेप ने कहा। 'अगर वे तुम्हें कुछ नहीं बताते हैं –'

'वे मुझे हर बात बताते हैं!' बेलाट्रिक्स ने एकाएक तैश में आते हुए कहा। 'वे मुझे अपनी सबसे वफ़ादार, सबसे निष्ठावान –'

'क्या सचमुच?' स्नेप ने कहा और उनकी आवाज़ में अविश्वास की झलक थी। 'क्या मंत्रालय में तुम्हारे असफल अभियान के बाद भी वे ऐसा करते हैं?'

बेलाट्रिक्स का चेहरा लाल हो गया। वह बोली, 'वह मेरी ग़लती नहीं थी। शैतानी शहंशाह ने अतीत में मुझे अपने सबसे महत्त्वपूर्ण काम सौंपे थे – अगर लूसियस गड़बड़ नहीं करता –'

नार्सिसा अपनी बहन को देखते हुए धीमी और ख़तरनाक आवाज़ में बोली, 'तुम मेरे पति को – तुम मेरे पति को दोष देने की *हिम्मत* मत करना!'

स्नेप ने रेशमी अंदाज़ में कहा, 'दोष देने से कोई फ़ायदा नहीं है! जो हो गया, वह हो गया।'

'हाँ, लेकिन तुमने कुछ नहीं किया!' बेलाट्रिक्स आवेश में बोली। 'नहीं, तुम तो एक बार फिर ग़ायब थे, जबकि हम सब लोग ख़तरों से जूझ रहे थे। है ना, स्नेप?'

'मुझे पीछे रुके रहने का आदेश दिया गया था,' स्नेप ने कहा। 'शायद तुम शैतानी शहंशाह से सहमत नहीं हो, शायद तुम्हें लगता हो कि अगर मैं प्राणभक्षियों के समूह में शामिल होकर मायापंछी के समूह से लड़ने लगता, तो डम्बलडोर का ध्यान इस तरफ़ नहीं जाता? और – मुझे माफ़ करना – तुम ख़तरों की बात कर रही हो ... तुम लोग तो सिर्फ़ छह बच्चों से मुक़ाबला कर रहे थे, है ना?'

'जैसा तुम बहुत अच्छी तरह जानते हो, कुछ समय बाद ही मायापंछी का आधा समूह उन्हें बचाने के लिए आ गया था।' बेलाट्रिक्स गुर्राई। 'और जब हम मायापंछी के समूह के बारे में बात कर ही रहे हैं, तो तुम अब भी यह दावा करते हो कि तुम इसके मुख्यालय का पता-ठिकाना नहीं बता सकते, है ना?'

'मैं गुप्त रक्षक नहीं हूँ। मैं उस जगह का नाम नहीं बता सकता। तुम तो जानती ही हो कि यह सम्मोहन किस तरह काम करता है? मैंने शैतानी शहंशाह को मायापंछी के समूह के बारे में जो जानकारी दी है, वे उससे संतुष्ट हैं। जैसा कि शायद तुमने अंदाज़ा लगा लिया होगा, उसी जानकारी के कारण एमेलिन वैन्स को कुछ समय पहले पकड़ा और मारा गया था। उसी जानकारी की वजह से निश्चित रूप से सिरियस ब्लैक को ख़त्म करने में भी मदद मिली थी, हालाँकि उसकी मौत के लिए मैं तुम्हें पूरा श्रेय देता हूँ।'

स्नेप ने अपना सिर झुकाया और बेलाट्रिक्स के नाम का जाम उठाया। बहरहाल, बेलाट्रिक्स के चेहरे का भाव नरम नहीं हुआ।

'तुम मेरे आख़िरी सवाल से बच रहे हो, स्नेप। हैरी पॉटर। पिछले पाँच सालों में तुम उसे किसी भी समय मार सकते थे, लेकिन तुमने ऐसा नहीं किया। क्यों?'

स्नेप ने पूछा, 'क्या तुमने यह बात शैतानी शहंशाह से पूछी थी?'

'वे ... कुछ समय से, हम ... मैं *तुमसे* पूछ रही हूँ, स्नेप!'

'अगर मैंने हैरी पॉटर की हत्या कर दी होती, तो शैतानी शहंशाह पुनर्जीवित होने और अजेय बनने के लिए उसके ख़ून का उपयोग नहीं कर पाते –'

उसने ताना मारते हुए कहा, 'तो तुम्हारा यह दावा है कि तुमने उस लड़के की उपयोगिता का पहले से ही अनुमान लगा लिया था!'

'मैं यह दावा नहीं करता हूँ। मुझे उनकी योजनाओं की कोई जानकारी नहीं थी। मैं पहले ही स्वीकार कर चुका हूँ कि मेरी राय में शैतानी शहंशाह ख़त्म हो चुके थे। मैं तो सिर्फ़ यह स्पष्ट करने की कोशिश कर रहा हूँ कि शैतानी शहंशाह को पॉटर के बचने पर अफ़सोस क्यों नहीं हुआ था, कम से कम एक साल पहले तक ...'

'लेकिन तुमने उसे ज़िंदा क्यों रहने दिया?'

'क्या तुम मेरी बात का मतलब नहीं समझीं? सिर्फ़ डम्बलडोर के संरक्षण की वजह से ही मैं अज़्काबान के बाहर था! क्या तुम्हें यह नहीं लगता है कि उनके प्रिय विद्यार्थी की हत्या करने से वे मेरे ख़िलाफ़ हो जाते? लेकिन बात इससे भी आगे तक जाती है। मैं तुम्हें याद दिलाना चाहूँगा कि जब पॉटर पहली बार हॉगवर्ट्स आया था, तो उसके बारे में कई कहानियाँ उड़ रही थीं। इस तरह की अफ़वाहें कि वह ख़ुद एक बड़ा शैतानी जादूगर है, इसीलिए वह शैतानी शहंशाह के हमले से बच गया। दरअसल शैतानी शहंशाह के कई पुराने समर्थकों ने सोचा था कि पॉटर वह धुरी बन सकता है, जिसके चारों तरफ़ हम एक बार फिर

इकट्ठे हो सकते हैं। मैं मानता हूँ कि मेरे मन में भी जिज्ञासा थी, इसीलिए मैं उसके महल में क़दम रखते ही उसे मारना नहीं चाहता था।

'ज़ाहिर है, बहुत जल्दी ही मैं जान गया कि उसमें कोई असाधारण प्रतिभा नहीं थी। वह इतने सारे जोखिमों से जूझने में सिर्फ़ इसलिए सफल हुआ है, क्योंकि उसकी क़िस्मत अच्छी थी और उसके दोस्त प्रतिभावान थे। वह निहायत ही औसत दर्जे का है, हालाँकि अपने पिता की तरह ही वह भी घमंडी और आत्म-संतुष्ट है। मैंने उसे हॉगवर्ट्स से निकलवाने की पूरी कोशिश की है, क्योंकि मैं मानता हूँ कि वहाँ उसकी कोई जगह नहीं है। लेकिन उसे मारना या उसे अपने सामने मरने देना? यह जोखिम लेना बहुत बड़ी मूर्खता होती, क्योंकि डम्बलडोर क़रीब ही थे।'

बेलाट्रिक्स ने पूछा, 'और इस दौरान डम्बलडोर को तुम पर कभी शक नहीं हुआ? उन्हें तुम्हारी सच्ची निष्ठा का कभी पता नहीं चला? वे अब भी तुम पर भरोसा करते हैं?'

'मैंने बहुत अच्छी तरह नाटक किया है,' स्नेप ने कहा। 'और तुम डम्बलडोर की सबसे बड़ी कमज़ोरी को नज़रअंदाज़ कर रही हो : वे लोगों के सर्वश्रेष्ठ स्वरूप में विश्वास करते हैं। जब मैं उनके स्टाफ़ में पहुँचा, तो मैंने गहरे पश्चाताप की कहानी गढ़ी। जब मैंने प्राणभक्षी के रूप में बिताए दिनों की दुखद यादें उन्हें बताईं, तो उन्होंने बाँहें फैलाकर मेरा स्वागत किया – हालाँकि जैसा मैंने कहा, उन्होंने मुझे गुप्त कलाओं से रक्षा का विषय कभी नहीं पढ़ाने दिया। डम्बलडोर बहुत बड़े जादूगर हैं – ओह हाँ, बहुत बड़े,' (क्योंकि बेलाट्रिक्स ने एक व्यंग्यात्मक आवाज़ निकाली) 'शैतानी शहंशाह ख़ुद यह मानते हैं। बहरहाल, मुझे यह कहते हुए ख़ुशी हो रही है कि डम्बलडोर अब बूढ़े हो चले हैं। पिछले महीने शैतानी शहंशाह के साथ हुई मुठभेड़ ने उन्हें हिला दिया है। उसके बाद उन्हें एक गंभीर चोट लग गई है, जिससे अब उनके हाथ पहले जितनी तेज़ी से नहीं चलते हैं। लेकिन इन सालों में उन्होंने सीवियरस स्नेप पर भरोसा करना कभी नहीं छोड़ा और यह शैतानी शहंशाह के लिए सबसे महत्वपूर्ण बात है।'

बेलाट्रिक्स अब भी दुखी दिख रही थी, हालाँकि उसे अब समझ में नहीं आ रहा था कि वह स्नेप पर अगला हमला किस मुद्दे पर करे। उसकी ख़ामोशी का फ़ायदा उठाकर स्नेप उसकी बहन की तरफ़ मुड़े।

'तो ... तुम मुझसे मदद माँगने आई थीं, नार्सिसा?'

नार्सिसा ने स्नेप की तरफ़ देखा। उसका चेहरा हताशा से भरा था।

'हाँ, सीवियरस। मुझे – मुझे लगता है कि सिर्फ़ तुम ही हो, जो मेरी मदद कर सकते हो। मैं और कहीं नहीं जा सकती। लूसियस जेल में है और ...'

उसने अपनी आँखें बंद कर लीं और दो बड़े आँसू पलकों से नीचे बहने लगे।

'शैतानी शहंशाह ने मुझे यह बात किसी को भी बताने से मना किया है,' नार्सिसा ने कहा, जिसकी आँखें अब भी बंद थीं। 'वे चाहते हैं कि यह योजना किसी को भी पता न चले। यह ... बहुत गोपनीय है। लेकिन –'

'अगर उन्होंने मना किया है, तो तुम्हें इस बारे में नहीं बोलना चाहिए,' स्नेप ने तत्काल कहा। 'शैतानी शहंशाह का हर शब्द क़ानून है।'

नार्सिसा ने आह भरी, जैसे स्नेप ने उस पर ठंडा पानी डाल दिया हो। बेलाट्रिक्स वहाँ आने के बाद से पहली बार संतुष्ट दिख रही थी।

'यह लो!' उसने विजयी भाव से अपनी बहन से कहा। 'यहाँ तक कि स्नेप का भी यही कहना है : तुम्हें चुप रहना चाहिए!'

लेकिन स्नेप उठकर खड़े हो गए और छोटी खिड़की के पास पहुँच गए। वहाँ उन्होंने पर्दों के बीच से वीरान सड़क की तरफ़ देखा और फिर झटके से पर्दे लगा दिए। उन्होंने मुड़कर नार्सिसा की तरफ़ त्योरियाँ चढ़ाकर देखा।

'देखो, मुझे योजना के बारे में मालूम है,' उन्होंने धीमी आवाज़ में कहा। 'मैं उन चुनिंदा लोगों में से हूँ, जिन्हें शैतानी शहंशाह ने यह बात बताई है। बहरहाल, नार्सिसा, अगर मुझे यह रहस्य मालूम नहीं होता, तो मुझे बताने से शैतानी शहंशाह के आदेश की बहुत बड़ी अवहेलना हो जाती!'

'मुझे पूरा भरोसा था कि तुम्हें इसके बारे में ज़रूर मालूम होगा!' नार्सिसा ने राहत की साँस लेते हुए कहा। 'वे तुम पर बहुत भरोसा करते हैं, सीवियरस ...'

'तुम योजना के बारे में जानते हो?' बेलाट्रिक्स ने कहा और संतुष्टि की जगह अब उसके चेहरे पर चिढ़ का भाव आ गया। '*तुम* जानते हो?'

'निश्चित रूप से,' स्नेप ने कहा। 'लेकिन मैं तुम्हारी क्या मदद कर सकता हूँ, नार्सिसा? अगर तुम यह कल्पना कर रही हो कि मैं शैतानी शहंशाह के फ़ैसले को बदलवा सकता हूँ, तो इसकी कोई उम्मीद नहीं है, बिलकुल भी उम्मीद नहीं है।'

'सीवियरस,' उसने फुसफुसाकर कहा और उसके पीले गालों पर आँसू बहने लगे। 'मेरा बेटा ... मेरा इकलौता बेटा ...'

'ड्रेको को गर्व होना चाहिए,' बेलाट्रिक्स ने भावहीन अंदाज़ में कहा। 'शैतानी शहंशाह उसे बहुत बड़ा सम्मान दे रहे हैं। और मैं ड्रेको की तरफ़ से इतना ज़रूर कहूँगी : वह अपने कर्तव्य से ज़रा भी पीछे नहीं हट रहा है। उसे ख़ुशी है कि उसे अपनी क़ाबिलियत साबित करने का मौक़ा मिल रहा है। वह इस

संभावना से रोमांचित है –'

नार्सिसा अब रोने लगी और आग्रह भरी निगाह से स्नेप की तरफ़ देखती रही।

'ऐसा इसलिए है, क्योंकि अभी वह सोलह साल का है और उसे ज़रा भी पता नहीं है कि आगे क्या है! क्यों, सीवियरस ? मेरा बेटा ही क्यों ? यह काम बहुत ख़तरनाक है! मैं जानती हूँ, यह लूसियस की ग़लती की सज़ा है!'

स्नेप कुछ नहीं बोले। उन्होंने उसके आँसुओं से अपनी नज़र हटा ली, जैसे वे अशालीन हों। बहरहाल, वे यह नाटक नहीं कर सकते थे कि उन्होंने उसकी बात सुनी ही नहीं है।

नार्सिसा बोली, 'तो उन्होंने ड्रेको को इसीलिए चुना है, है ना ? लूसियस को सज़ा देने के लिए ?'

स्नेप ने अब भी दूसरी तरफ़ देखते हुए कहा, 'अगर ड्रेको सफल हो जाता है, तो उसे बाक़ी सबसे ज़्यादा सम्मान दिया जाएगा।'

'लेकिन वह सफल नहीं होगा!' नार्सिसा सुबकते हुए बोली। 'वह कैसे सफल हो सकता है, जबकि शैतानी शहंशाह ख़ुद – ?'

बेलाट्रिक्स ने तेज़ी से साँस खींची। नार्सिसा बाक़ी के शब्द बोलने की हिम्मत नहीं कर पाई।

'मेरे कहने का मतलब सिर्फ़ यह था कि कोई भी अब तक सफल नहीं हुआ है ... सीवियरस ... प्लीज़ ... तुम हमेशा से ड्रेको के सबसे प्रिय शिक्षक रहे हो ... तुम लूसियस के पुराने दोस्त हो ... मैं तुमसे भीख माँगती हूँ ... तुम शैतानी शहंशाह के प्रिय हो, उनके सबसे विश्वस्त सलाहकार हो ... क्या तुम उनसे बात करोगे, उन्हें राज़ी करोगे – ?'

'शैतानी शहंशाह कभी राज़ी नहीं होंगे और मैं इतना मूर्ख नहीं हूँ कि उन्हें राज़ी करने की कोशिश करूँ ?' स्नेप ने सपाट तरीक़े से कहा। 'मैं यह नाटक नहीं करूँगा कि शैतानी शहंशाह लूसियस से नाराज़ नहीं हैं। लूसियस उस अभियान का मुखिया था। उसने ख़ुद को पकड़वा दिया, दूसरों को पकड़वा दिया और भविष्यवाणी नहीं ला पाया। हाँ नार्सिसा, शैतानी शहंशाह सचमुच नाराज़ हैं, बहुत नाराज़ हैं।'

'तो मेरा अंदाज़ा सही था, उन्होंने ड्रेको को प्रतिशोध में चुना है!' नार्सिसा ने रुँधे गले से कहा। 'वे यह नहीं चाहते हैं कि वह सफल हो। वे चाहते हैं कि वह कोशिश करते हुए मारा जाए!'

जब स्नेप कुछ नहीं बोले, तो नार्सिसा का बचा-खुचा संयम भी जवाब दे

गया। वह लड़खड़ाती हुई स्नेप की तरफ़ बढ़ी और उसने उनका दुशाला पकड़ लिया। उसका चेहरा स्नेप के चेहरे के क़रीब था और उसके आँसू उनके सीने पर टपक रहे थे। उसने साँस खींचते हुए कहा, 'तुम यह काम कर सकते हो। सीवियरस, ड्रेको के बजाय *तुम* यह काम कर सकते हो। तुम कामयाब हो जाओगे, तुम ज़रूर कामयाब हो जाओगे और वे तुम्हें सबसे ज़्यादा सम्मान देंगे –'

स्नेप ने उसकी कलाइयाँ पकड़कर उसके हाथ दूर हटाए। उसके आँसू सने चेहरे को देखते हुए स्नेप धीरे से बोले, 'मुझे लगता है कि वे अंत में यह काम मुझसे ही करवाना चाहते हैं। लेकिन वे ठान चुके हैं कि पहले ड्रेको को कोशिश करनी चाहिए। देखो, अगर ड्रेको सफल हो जाता है, जिसकी बहुत कम संभावना है, तो मैं हॉगवर्ट्स में थोड़े ज़्यादा समय तक रह सकता हूँ और जासूस की अपनी उपयोगी भूमिका निभा सकता हूँ।'

'दूसरे शब्दों में, अगर ड्रेको मर जाता है, तो उन्हें इससे कोई फ़र्क़ नहीं पड़ेगा!'

'शैतानी शहंशाह बहुत नाराज़ हैं,' स्नेप ने धीरे से दोहराया। 'वे भविष्यवाणी नहीं सुन पाए। नार्सिसा, मेरी तरह तुम भी अच्छी तरह जानती हो कि वे आसानी से माफ़ नहीं करते हैं।'

नार्सिसा स्नेप के क़दमों पर गिर गई और सुबकने लगी।

'मेरा इकलौता बेटा ... मेरा इकलौता बेटा ...'

'तुम्हें गर्व होना चाहिए!' बेलाट्रिक्स ने बेरहमी से कहा। 'अगर मेरे बेटे होते, तो मैं उन सभी को ख़ुशी-ख़ुशी शैतानी शहंशाह की सेवा में लगा देती!'

नार्सिसा ने हताशा भरी चीख़ निकाली और अपने लंबे सुनहरे बाल पकड़ लिए। स्नेप ने झुककर उसे उठाया और वापस सोफ़े की तरफ़ ले गए। फिर उन्होंने उसके गिलास में शराब डालकर ज़बर्दस्ती उसके हाथ में पकड़ा दिया।

'नार्सिसा, बहुत हो गया। इसे पी लो। मेरी बात सुनो।'

वह थोड़ी शांत हो गई और अपने ऊपर शराब छलकाते हुए उसने काँपते हाथों से एक घूँट पी लिया।

'हो सकता है ... कि मैं ड्रेको की मदद कर दूँ।'

नार्सिसा का चेहरा काग़ज़ की तरह सफ़ेद हो गया और उसकी आँखें फैल गईं।

'सीवियरस – ओह सीवियरस – तुम उसकी मदद करोगे? तुम उसका ध्यान रखोगे, यह देखोगे कि उसे कोई नुक़सान न हो?'

'मैं कोशिश करूँगा।'

नार्सिसा ने अपना गिलास दूर फेंक दिया, जो टेबल पर फिसल गया। नार्सिसा सोफ़े से फिसलकर स्नेप के पैरों के पास बैठ गई और उसने अपने दोनों हाथों में स्नेप का हाथ लेकर उस पर अपने होंठ रख दिए।

'अगर तुम उसकी रक्षा करने का वादा करो ... सीवियरस, क्या तुम क़सम खाने को तैयार हो? क्या तुम अटूट क़सम खाने को तैयार हो?'

'अटूट क़सम?' स्नेप का भाव सपाट था, जिसे समझा नहीं जा सकता था। बहरहाल, बेलाट्रिक्स विजयी अंदाज़ में खिलखिलाई।

'तुमने सुना नहीं, नार्सिसा? ओह, वह *कोशिश* करेगा ... वही खोखले शब्द, वही काम से बचकर फिसल जाना ... ओह, ज़ाहिर है, शैतानी शहंशाह के आदेश पर!'

स्नेप ने बेलाट्रिक्स की तरफ़ नहीं देखा। उनकी काली आँखें नार्सिसा की आँसू से भरी नीली आँखों पर जमी हुई थीं, जिसने अब तक स्नेप का हाथ नहीं छोड़ा था।

वे धीरे से बोले, 'निश्चित रूप से नार्सिसा, मैं अटूट क़सम खाने को तैयार हूँ! शायद तुम्हारी बहन हमारी बंधनकारी बनने के लिए तैयार हो जाए।'

बेलाट्रिक्स का मुँह खुला रह गया। स्नेप नीचे झुककर नार्सिसा के सामने घुटने टेककर बैठ गए। बेलाट्रिक्स की हैरान निगाह के नीचे उन दोनों ने एक-दूसरे का दायाँ हाथ पकड़ लिया।

स्नेप ठंडे स्वर में बोले, 'तुम्हें छड़ी की ज़रूरत पड़ेगी, बेलाट्रिक्स!'

बेलाट्रिक्स ने हैरान दिखते हुए अपनी छड़ी निकाल ली।

'और तुम्हें थोड़ा पास भी आना होगा,' स्नेप ने कहा।

बेलाट्रिक्स आगे की तरफ़ आ गई, ताकि वह उनके ऊपर खड़ी रहे। उसने उनके जुड़े हाथों पर अपनी छड़ी की नोक रख दी।

नार्सिसा बोली।

'सीवियरस, मेरा बेटा ड्रेको जब शैतानी शहंशाह की इच्छाएँ पूरी करने की कोशिश करेगा, तो क्या तुम उस पर नज़र रखोगे?'

'रखूँगा,' स्नेप ने कहा।

छड़ी से एक पतली लपट निकली और लाल सुर्ख़ तार की तरह उनके हाथों के चारों तरफ़ बँध गई।

'और क्या तुम अपनी पूरी क्षमता से उसे नुक़सान से बचाओगे?'

'बचाऊँगा,' स्नेप ने कहा।

छड़ी से एक और लपट निकली तथा पहली लपट से जुड़ गई, जिससे एक चमकती हुई जंज़ीर बन गई।

'और, अगर ज़रूरत पड़े ... अगर ऐसा लगे कि ड्रेको असफल हो जाएगा ...' नार्सिसा फुसफुसाकर बोली (स्नेप का हाथ उसके हाथ के भीतर काँपा, लेकिन उन्होंने उसे दूर नहीं हटाया), 'तो क्या तुम वह काम करोगे, जो शैतानी शहंशाह ने ड्रेको को करने का आदेश दिया है?'

एक पल तक ख़ामोशी छाई रही। बेलाट्रिक्स आँखें फाड़कर देखने लगी। उसकी छड़ी की नोक उनके जुड़े हाथों पर थी।

'करूँगा,' स्नेप ने कहा।

बेलाट्रिक्स की छड़ी से निकली तीसरी लपट की रोशनी में उसका हैरान चेहरा लाल चमकने लगा। यह लपट बाक़ी लपटों के साथ मिल गई और उसने उन दोनों के जुड़े हुए हाथों को रस्सी की तरह, आग वाले साँप की तरह बाँध दिया।

अध्याय तीन

करूँगा, नहीं करूँगा

हैरी पॉटर ज़ोर-ज़ोर से खर्राटे ले रहा था। वह पिछले चार घंटे में से ज़्यादातर समय अपने बेडरूम की खिड़की के पास वाली कुर्सी पर बैठकर अँधेरी सड़क को घूरता रहा था और आख़िरकार सो गया था। उसके चेहरे का एक हिस्सा खिड़की के ठंडे काँच से सटा हुआ था। उसका चश्मा तिरछा था और मुँह खुला हुआ था। उसकी साँस की भाप खिड़की पर जम गई थी और बाहर जलते स्ट्रीटलैंप की नारंगी रोशनी में चमक रही थी। इस रोशनी ने उसके चेहरे का सारा प्राकृतिक रंग ग़ायब कर दिया था, जिससे वह बिखरे काले बालों के नीचे भुतहा नज़र आ रहा था।

कमरे में बहुत सारा सामान और अटाला फैला हुआ था। फ़र्श पर उल्लू के पंख, सेवफल के बीज और चॉकलेट की पन्नियाँ पड़ी थीं। पलंग पर मंत्रों की कई पुस्तकें दुशालों के बीच में बेतरतीब पड़ी थीं और डेस्क पर रोशनी के नीचे अख़बारों का ढेर लगा था। उनमें से एक हेडलाइन थी :

हैरी पॉटर : चुनिंदा जादूगर ?

जादू मंत्रालय में हाल ही में हुए रहस्यमय हंगामे के बारे में कई अटकलें लगाई जा रही हैं, जिसमें तुम-जानते-हो-कौन को दोबारा देखा गया था।

'हमें इसके बारे में कुछ बताने की इजाज़त नहीं है, इसलिए मुझसे कुछ न पूछें,' एक परेशान विस्मृति अधिकारी ने कहा, जिसने कल रात को मंत्रालय से घर जाते समय अपना नाम बताने से इंकार कर दिया।

बहरहाल, मंत्रालय के उच्च पदस्थ सूत्रों ने पुष्टि की है कि

यह हंगामा भविष्यवाणी कक्ष में हुआ था।

हालाँकि मंत्रालय के प्रवक्ता-जादूगरों ने अब तक ऐसी किसी जगह के अस्तित्व से इंकार किया है, लेकिन बहुत से जादूगर मानते हैं कि जो प्राणभक्षी इस समय घुसपैठ और चोरी के ज़ुर्म में अज़्काबान में सज़ा काट रहे हैं, वे एक भविष्यवाणी चुराने की कोशिश कर रहे थे। उस भविष्यवाणी की प्रकृति अज्ञात है, हालाँकि ऐसा अनुमान है कि इसका हैरी पॉटर से कोई संबंध है - जो मारक शाप से बचने वाला इकलौता शख़्स है। ऐसा माना जाता है कि वह भी उस रात को मंत्रालय में था। कुछ लोग तो अब पॉटर को 'चुनिंदा जादूगर' कहने लगे हैं और उनके अनुसार भविष्यवाणी में यह कहा गया है कि वही हमें तुम-जानते-हो-कौन से मुक्ति दिला सकता है।

यदि भविष्यवाणी अब भी अस्तित्व में है, तो इसका पता-ठिकाना अज्ञात है, हालाँकि (शेष पृष्ठ 2, कॉलम 5 पर)

पहले वाले अख़बार के पास ही एक और अख़बार पड़ा था। इसमें हेडलाइन थी :

फ़ज की जगह स्क्रिमग्योर जादू मंत्री बने

पहले पन्ने की ज़्यादातर जगह एक बड़ी ब्लैक-एंड-व्हाइट फ़ोटो ने घेर रखी थी। इसमें एक आदमी के शेर के अयाल जैसे मोटे बाल और थोड़ा उजड़ा सा चेहरा दिख रहा था। तस्वीर हिल रही थी - आदमी छत की तरफ़ देखकर हाथ हिला रहा था।

जादुई क़ानून पालन विभाग में ऑरर कार्यालय के पूर्व प्रमुख रयूफ़स स्क्रिमग्योर अब कॉर्नेलियस फ़ज के स्थान पर नए जादू मंत्री बन गए हैं। इस नियुक्ति का जादूगर समुदाय ने उत्साह से स्वागत किया है। बहरहाल, नए मंत्री की नियुक्ति के कुछ घंटों के भीतर ही एल्बस डम्बलडोर से उनके मतभेद होने की अफ़वाह फैल गई है, जो जादूगर न्याय-सभा के प्रमुख न्यायविद् के रूप में पुनर्स्थापित हो चुके हैं।

स्क्रिमग्योर के प्रतिनिधियों ने स्वीकार किया कि मंत्री बनने के फ़ौरन बाद ही उन्होंने डम्बलडोर से मुलाक़ात की थी,

लेकिन उन्होंने बातचीत के मुद्दों के बारे में टिप्पणी करने से इंकार कर दिया। एल्बस डम्बलडोर हमेशा से *(शेष पृष्ठ 3, कॉलम 2 पर)*

इस अख़बार के दाईं तरफ़ एक और अख़बार रखा था, जो इस तरह मुड़ा हुआ था कि उसका एक लेख दिख रहा था, जिसका शीर्षक था ***मंत्रालय ने विद्यार्थियों की सुरक्षा की गारंटी ली।***

नवनियुक्त जादू मंत्री रयूफ़स स्क्रिमग्योर ने आज बताया कि मंत्रालय ने कुछ सख़्त क़दम उठाए हैं, ताकि इस सितंबर में हॉगवर्ट्स जादूगरी और तंत्र विद्यालय में पढ़ने जाने वाले विद्यार्थियों की सुरक्षा सुनिश्चित हो सके।

मंत्रीजी ने अपने बयान में कहा, 'ज़ाहिर है, सुरक्षा की दृष्टि से हम नए सुरक्षा इंतज़ामों के बारे में विस्तार से नहीं बताएँगे।' बहरहाल, एक अंदरूनी सूत्र ने पुष्टि की कि इन सुरक्षा इंतज़ामों में नए सुरक्षात्मक मंत्रों, सम्मोहनों और प्रतिकारक मंत्रों के प्रयोग के अलावा हॉगवर्ट्स स्कूल की सुरक्षा के लिए कुछ ऑरर्स को नियुक्त किया जाना भी शामिल है।

छात्रों की सुरक्षा को लेकर नए मंत्री के इस सख़्त रुख़ से ज़्यादातर लोग आश्वस्त लगते हैं। मिसेज़ ऑगस्टा लॉंगबॉटम ने कहा, 'मेरा पोता नेविल – जो हैरी पॉटर का अच्छा दोस्त है और उसके साथ जून में मंत्रालय में प्राणभक्षियों से लड़ा था और –

लेकिन लेख का बाक़ी का हिस्सा एक बड़े पिंजरे से ढँक गया था, जो इसके ऊपर रखा हुआ था। पिंजरे के भीतर एक बहुत शानदार सफ़ेद उल्लू बैठी थी। उसकी आँखें बड़ी शान से कमरे को देख रही थीं। वह कभी-कभार अपने खर्राटे लेते मालिक को देखने के लिए अपना सिर उसकी तरफ़ लहरा रही थी। एक-दो बार उसने अधीरता से अपनी चोंच कुटकुटाई, लेकिन हैरी इतनी गहरी नींद में था कि उस आवाज़ को नहीं सुन पाया।

कमरे के बीचोंबीच एक बड़ा संदूक रखा था। इसका ढक्कन खुला था और यह लगभग ख़ाली था। इसमें बस कुछ पुराने अंडरवियर, चॉकलेटें, ख़ाली दवातें और टूटी क़लमें थीं, जो बिलकुल नीचे रखी थीं। पास ही में फ़र्श पर एक बैंगनी पैंफ़लेट भी पड़ा था, जिस पर लिखा था :

जादू मंत्रालय द्वारा जारी

शैतानी शक्तियों से अपने घर-परिवार की रक्षा करें

जादूगर समुदाय को वर्तमान में उन लोगों से ख़तरा है, जो खुद को प्राणभक्षी कहते हैं। नीचे दिए गए सामान्य सुरक्षा निर्देश आपको, आपके परिवार और घर को सुरक्षित रखेंगे तथा हमले से बचाएँगे।

1. *आपको सलाह दी जाती है कि आप घर से अकेले न निकलें।*
2. *अँधेरा होने के बाद बाहर निकलने में ख़ास सावधानी बरतें। जहाँ तक संभव हो, रात होने से पहले ही घर लौट आएँ।*
3. *अपने घर के आस-पास की सुरक्षा व्यवस्था का मुआयना करें और यह सुनिश्चित करें कि परिवार के सभी सदस्य आपातकालीन क़दमों के बारे में जानते हों, जैसे कवच और मोहभंग सम्मोहन तथा परिवार के नाबालिग़ सदस्यों के मामले में, साहचर्य अंतर्ध्यान।*
4. *क़रीबी मित्रों और परिवार वालों के साथ सुरक्षा-संबंधी गुप्त सवाल तय कर लें, ताकि उन प्राणभक्षियों को पहचाना जा सके, जो भेसबदल काढ़े का इस्तेमाल करके दूसरों का वेश बना लेते हैं (देखें पृष्ठ 2)।*
5. *अगर आपको महसूस होता है कि परिवार का कोई सदस्य, सहकर्मी, मित्र या पड़ोसी अजीब हरकतें कर रहा है, तो तत्काल जादुई क़ानून पालन दस्ते से संपर्क करें। हो सकता है कि वह व्यक्ति सम्मोहन शाप के वशीभूत हो (देखें पृष्ठ 4)।*
6. *अगर किसी घर या इमारत के ऊपर मौत का निशान दिखे, तो उसमें **प्रवेश न करें**, बल्कि ऑरर कार्यालय से तत्काल संपर्क करें।*
7. *अपुष्ट सूत्रों से पता चला है कि प्राणभक्षी अब सजीव-लाश (देखें पृष्ठ 10) का प्रयोग भी कर सकते हैं। किसी सजीव-लाश के दिखने पर मंत्रालय को **तत्काल** ख़बर दें।*

हैरी नींद में बड़बड़ाया और उसका चेहरा खिड़की के काँच से एकाध इंच फिसल

गया। इससे उसका चश्मा थोड़ा और तिरछा हो गया, लेकिन वह फिर भी नहीं जागा। हैरी ने जिस अलार्म घड़ी को कुछ साल पहले सुधारा था, वह खिड़की की चौखट पर ज़ोर-ज़ोर से टिक-टिक कर रही थी। ग्यारह बजने में एक मिनट था। हैरी के शिथिल हाथ में चर्मपत्र का एक टुकड़ा था, जिस पर पतली, तिरछी लिखावट थी। यह चिट्ठी जब तीन दिन पहले आई थी, तो गोल लिपटी थी, लेकिन हैरी इसे इतनी ज़्यादा बार पढ़ चुका था कि अब चर्मपत्र बिलकुल सपाट हो चुका था।

प्रिय हैरी,

अगर तुम्हें असुविधा न हो, तो मैं इस शुक्रवार की रात को ग्यारह बजे प्रिविट ड्राइव के मकान नंबर चार में आऊँगा। मैं तुम्हें रॉन के घर ले जाऊँगा, जहाँ तुम्हें स्कूल की बची छुट्टियों में रहने के लिए आमंत्रित किया गया है।

अगर तुम्हें कोई दिक़्क़त न हो, तो मैं एक और काम में तुम्हारा सहयोग चाहूँगा, जो मुझे रास्ते में करना है। मिलने पर इस काम के बारे में विस्तार से बताऊँगा।

अपना जवाब इसी उल्लू से भिजवा देना। इस शुक्रवार को मिलने की आशा में,

तुम्हारा

एल्बस डम्बलडोर

हालाँकि हैरी को यह चिट्ठी अब तक याद हो चुकी थी, लेकिन शाम को सात बजे से वह हर कुछ मिनट बाद इस चिट्ठी की तरफ़ चोरी से देख रहा था। वह सात बजे से ही अपने बेडरूम की खिड़की के पास बैठा था, जहाँ से प्रिविट ड्राइव के दोनों छोर अच्छी तरह से दिखते थे। वह जानता था कि डम्बलडोर के शब्दों को दोबारा पढ़ना निरर्थक था। हैरी ने उसी उल्लू द्वारा अपनी तरफ़ से 'हाँ' का संदेश भिजवा दिया था और अब वह सिर्फ़ इंतज़ार कर सकता था : या तो डम्बलडोर आएँगे, या फिर वे नहीं आएँगे।

लेकिन हैरी ने अपना सामान पैक नहीं किया था। उसे लग रहा था कि इतनी अच्छी बात होने की संभावना ही नहीं है। डर्स्ली परिवार के साथ एक पखवाड़े के बाद ही वह यहाँ से कैसे आज़ाद हो सकता है? वह इस भावना को दिल से नहीं निकाल पाया कि कहीं न कहीं कोई गड़बड़ हो जाएगी - डम्बलडोर की चिट्ठी का उसने जो जवाब दिया था, वह किसी दूसरी जगह पहुँच सकता है; यह भी हो सकता है कि डम्बलडोर उसे लेने न आ पाएँ; यह भी हो सकता है कि डम्बलडोर ने यह चिट्ठी लिखी ही न हो, बल्कि यह कोई चाल, मज़ाक़ या धोखा हो। हैरी को लग रहा था कि अगर उसने सामान पैक कर लिया और डम्बलडोर नहीं आए, तो उसे निराश होकर अपना सारा सामान दोबारा निकालना पड़ेगा। इसीलिए उसने सामान पैक करने की कोई कोशिश नहीं की। उसने संभावित यात्रा की सिर्फ़ एक ही तैयारी की थी और वह यह थी कि उसने अपनी सफ़ेद उल्लू हेडविग को उसके पिंजरे में बंद कर दिया था।

जिस पल अलार्म घड़ी का मिनट का काँटा बारह पर पहुँचा, उसी पल खिड़की के बाहर का स्ट्रीटलैंप बुझ गया।

हैरी झटके से जाग गया, जैसे अचानक होने वाला अँधेरा अलार्म घड़ी की आवाज़ हो। उसने जल्दी से अपना चश्मा ठीक किया और अपने गाल को काँच से हटाया। फिर उसने खिड़की से अपनी नाक टिकाकर फ़ुटपाथ की तरफ़ देखा। एक लंबी आकृति चोगा लहराती हुई बगीचे के अंदर चली आ रही थी।

हैरी इस तरह उछला, जैसे उसे बिजली का झटका लगा हो। उसकी कुर्सी ठोकर लगने से गिर गई और वह फ़र्श पर दिखने वाली हर चीज़ को संदूक में फेंकने लगा। अभी वह सिर्फ़ दो दुशाले, मंत्रों की दो पुस्तकें और चिप्स का एक पैकेट ही रख पाया था कि तभी दरवाज़े की घंटी बज गई।

नीचे लिविंग रूम से वरनॉन अंकल के चिल्लाने की आवाज़ आई, 'इतनी रात को कौन कमबख़्त आ गया?'

हैरी मूर्ति की तरह स्थिर हो गया। उसके एक हाथ में पीतल का टेलीस्कोप था और दूसरे हाथ में जूते। वह डर्स्ली परिवार को यह बताना तो भूल ही गया था कि डम्बलडोर आ सकते हैं। एक तरफ़ उसे इस बात पर दहशत हो रही थी और दूसरी तरफ़ हँसी भी आ रही थी। उसने संदूक लाँघकर अपने बेडरूम का दरवाज़ा खोला। उसे एक भारी आवाज़ सुनाई दी, 'गुड ईवनिंग। आप मिस्टर डर्स्ली होंगे? शायद हैरी ने आपको बता दिया होगा कि मैं उसे लेने आ रहा हूँ?'

हैरी एक बार में दो-दो सीढ़ियाँ कूदा और नीचे से कुछ सीढ़ियाँ ऊपर ही रुक गया। लंबे अनुभव से वह सीख चुका था कि जहाँ तक संभव हो, उसे अपने

अंकल के हाथ की पहुँच से दूर रहना चाहिए। दरवाज़े की चौखट पर एक लंबा, दुबला आदमी खड़ा हुआ था, जिसके सफ़ेद बाल और दाढ़ी कमर तक आ रहे थे। उनकी मुड़ी हुई नाक पर आधे चाँद के आकार का चश्मा था। वे एक लंबा काला यात्री चोगा पहने थे और उन्होंने एक नुकीला हैट लगा रखा था। वरनॉन डर्स्ली की मूँछें भी डम्बलडोर जितनी ही घनी थीं, हालाँकि वे काली थीं। उन्होंने बैंगनी ड्रेसिंग गाउन पहन रखा था और वे आगंतुक को इस तरह घूर रहे थे, जैसे उन्हें अपनी छोटी-छोटी आँखों पर भरोसा ही नहीं हो रहा हो।

'आपकी हैरानी देखकर मुझे लगता है कि हैरी ने आपको मेरे आने की चेतावनी नहीं दी है,' डम्बलडोर ने चहकते हुए कहा। 'बहरहाल, हम यह मान लेते हैं कि आपने मुझे गर्मजोशी से अपने घर के अंदर आमंत्रित कर लिया है। इस मुश्किल समय में दरवाज़े की चौखट पर ज़्यादा देर ठहरना समझदारी नहीं है।'

वे चौखट के पार आए और अंदर आने के बाद उन्होंने सामने वाला दरवाज़ा बंद कर दिया।

डम्बलडोर ने अपनी मुड़ी हुई नाक के ऊपर से वरनॉन अंकल को घूरते हुए कहा, 'जब मैं पिछली बार यहाँ आया था, तब से काफ़ी वक़्त गुज़र चुका है। मुझे कहना होगा, आपके पौधे बहुत अच्छे दिख रहे हैं।'

वरनॉन डर्स्ली कुछ नहीं बोले। हैरी को इस बारे में कोई शक नहीं था कि उसके अंकल जल्दी ही बोलने लगेंगे, क्योंकि उनके माथे की फड़कती नस ख़तरे के निशान तक पहुँच चुकी थी। बहरहाल, डम्बलडोर में ऐसा कुछ था, जिसकी वजह से कुछ समय के लिए अंकल की बोलती बंद हो गई थी। हो सकता है, यह उनके जादूगर जैसे हुलिए के कारण हो या फिर वरनॉन अंकल यह भाँप गए हों कि इस आदमी पर रौब डालना बहुत मुश्किल होगा।

'आह, गुड ईवनिंग, हैरी,' डम्बलडोर ने कहा और अपने आधे चाँद के आकार के चश्मे से उसे बहुत संतुष्टि से देखा। 'बहुत बढ़िया, बहुत बढ़िया।'

यह सुनकर वरनॉन अंकल उत्तेजित हो गए। यह स्पष्ट था कि जो व्यक्ति हैरी को देखकर 'बहुत बढ़िया' कह सकता था, उससे उनकी पटरी नहीं बैठ सकती।

'मैं बदतमीज़ी नहीं करना चाहता –' उन्होंने एक ऐसे अंदाज़ में बोलना शुरू किया, जिसमें बदतमीज़ी कूट-कूट कर भरी हुई थी।

'– लेकिन दुखद बात यह है कि बदतमीज़ी अक्सर होती रहती है,' डम्बलडोर ने गंभीरता से वाक्य पूरा किया। 'इसलिए चुप रहना ही ज़्यादा अच्छा है। आह, और यह पेटूनिया होगी।'

किचन का दरवाज़ा खुल चुका था और वहाँ हैरी की आंटी खड़ी हुई थीं। उन्होंने रबर के ग्लव्ज़ पहन रखे थे और नाइटड्रेस के ऊपर हाउसकोट डाल रखा था। यह साफ़ दिख रहा था कि वे हमेशा की तरह सोने से पहले किचन की हर चीज़ पोंछने के अभियान पर निकली हुई थीं। उनके घोड़ी जैसे चेहरे पर सदमे के सिवाय कुछ नहीं था।

जब वरनॉन अंकल ने परिचय नहीं कराया, तो डम्बलडोर बोले, 'मैं एल्बस डम्बलडोर हूँ। मैं आपको चिट्ठी लिख चुका हूँ।' हैरी को लगा कि यह पेटूनिया आंटी को यह याद दिलाने का अजीब तरीक़ा था कि उन्होंने उन्हें एक बार ऐसी चिट्ठी लिखी थी, जिसमें विस्फोट हो गया था, लेकिन पेटूनिया आंटी ने इस बात का विरोध नहीं किया। 'और यह आपका बेटा डडली होगा?'

डडली ठीक उसी पल लिविंग रूम के दरवाज़े पर झाँकने आ गया था। उसका बड़ा, सुनहरा सिर उसके कुरते के धारीदार कॉलर में से निकल रहा था और उसका मुँह हैरानी तथा दहशत में खुला हुआ था। डम्बलडोर ने एक-दो पल इंतज़ार किया। ज़ाहिर है, वे यह देखना चाहते थे कि डर्स्ली परिवार का कोई सदस्य कुछ कहना तो नहीं चाहता है, लेकिन जब ख़ामोशी छाई रही, तो वे मुस्कराए।

'क्या हम यह मान लें कि आपने मुझे अपने लिविंग रूम में आने का आमंत्रण दे दिया है?'

डम्बलडोर के पास से गुज़रते समय डडली तेज़ी से उनके रास्ते से हट गया। हैरी अब भी अपना टेलीस्कोप और जूते पकड़े था। वह आख़िरी कुछ सीढ़ियाँ कूदा और डम्बलडोर के पीछे-पीछे चल दिया। डम्बलडोर आग के सबसे क़रीब वाली कुर्सी पर बैठकर थोड़ी दिलचस्पी के साथ आस-पास देख रहे थे। वे उस जगह पर बहुत अजीब दिख रहे थे।

हैरी ने चिंता से पूछा, 'सर, क्या – क्या हम लोग चल नहीं रहे हैं?'

'निश्चित रूप से चल रहे हैं, लेकिन इससे पहले मुझे कुछ मुद्दों पर बात करनी है,' डम्बलडोर ने कहा। 'और मैं वह बात खुली जगह पर नहीं करना चाहता। हम तुम्हारे अंकल-आंटी की मेहमाननवाज़ी का कुछ समय तक और आनंद लेंगे।'

'आप ऐसा करेंगे?'

वरनॉन डर्स्ली कमरे में दाख़िल हो गए। पेटूनिया आंटी उनके पीछे थीं और डडली दोनों के पीछे मँडरा रहा था।

'हाँ,' डम्बलडोर ने कहा। 'मैं ऐसा ही करूँगा।'

उन्होंने अपनी छड़ी इतनी तेज़ी से बाहर निकाली कि हैरी उसे मुश्किल से देख पाया। उन्होंने हल्के से छड़ी लहराई और सोफ़ा आगे सरक आया। सोफ़ा डर्स्ली परिवार के तीनों सदस्यों के घुटने के पिछले हिस्से से टकराया, जिससे वे सभी गिरकर उस पर बैठ गए। डम्बलडोर ने एक बार फिर छड़ी लहराई, जिससे सोफ़ा दोबारा अपनी पुरानी जगह पर पहुँच गया।

इसके बाद डम्बलडोर ने चहकते हुए कहा, 'अब हम आराम से बैठ लेते हैं।'

जब उन्होंने अपनी छड़ी दोबारा जेब में रखी, तो हैरी ने देखा कि उनका हाथ काला हो चुका था और सिकुड़ गया था। ऐसा लग रहा था कि उनके हाथ का मांस जल चुका था।

'सर – आपके हाथ को क्या – ?'

'बाद में, हैरी,' डम्बलडोर ने कहा। 'बैठ जाओ।'

हैरी कुर्सी पर बैठ गया। वह डर्स्ली परिवार के सदस्यों की तरफ़ नहीं देख रहा था, जो ख़ामोश और स्तब्ध थे।

'मुझे उम्मीद थी कि आप लोग मुझे चाय-नाश्ता कराएँगे,' डम्बलडोर ने वरनॉन अंकल से कहा, 'लेकिन अब तक की बातों से ऐसा लगता है कि ऐसी उम्मीद करना मूर्खता होगी।'

छड़ी तीसरी बार लहराई। एक धूल लगी बोतल और पाँच गिलास हवा में से प्रकट हो गए। बोतल हिली और उसने हर गिलास में शहद के रंग का एक द्रव डाल दिया। फिर गिलास उड़कर कमरे में मौजूद हर व्यक्ति के पास पहुँच गए।

'मैडम रोज़मर्टा की सबसे अच्छी, पुरानी शराब,' डम्बलडोर ने कहा और हैरी की तरफ़ देखकर अपना गिलास उठाया, जिसने अपना गिलास उठाकर घूँट लिया। उसने इससे पहले इतनी बढ़िया चीज़ कभी नहीं चखी थी। उसे ख़ूब मज़ा आया। बहरहाल, डर्स्ली परिवार ने एक-दूसरे की तरफ़ जल्दी से घबराकर देखा। वे अपने गिलासों को नज़रअंदाज़ करने की कोशिश करने लगे। ऐसा करना मुश्किल था, क्योंकि गिलास उनके माथे से बार-बार धीरे-धीरे टकरा रहे थे। हैरी को इस बारे में कोई संदेह नहीं था कि डम्बलडोर को इसमें मज़ा आ रहा था।

डम्बलडोर ने उसकी तरफ़ मुड़ते हुए कहा, 'देखो हैरी, एक मुश्किल आ गई है। मुझे लगता है कि तुम हमारी उस मुश्किल को सुलझा सकते हो। हम से मेरा मतलब मायापंछी के समूह से है। लेकिन सबसे पहले मैं तुम्हें बताना चाहूँगा

कि एक सप्ताह पहले सिरियस की वसीयत मिली है और उसने तुम्हें हर चीज़ का वारिस बनाया है।'

सोफ़े पर बैठे वरनॉन अंकल का सिर घूमा, लेकिन हैरी ने उनकी तरफ़ नहीं देखा, न ही वह इसके सिवाय कुछ कहने की सोच पाया, 'ओह, अच्छा।'

'यह बिलकुल स्पष्ट है,' डम्बलडोर ने आगे कहा। 'इससे ग्रिनगॉट बैंक की तुम्हारी तिजोरी में थोड़ा सोना बढ़ गया है और तुम्हें सिरियस की सारी व्यक्तिगत संपत्ति विरासत में मिली है। विरासत का समस्या वाला हिस्सा –'

'इसका गॉडफ़ादर मर गया?' वरनॉन अंकल ने ज़ोर से पूछा। डम्बलडोर और हैरी दोनों ही मुड़कर उन्हें देखने लगे। अब शराब का गिलास वरनॉन अंकल के सिर से लगातार टकरा रहा था, जिसे वे दूर हटाने की कोशिश कर रहे थे। 'वह मर चुका है? इसका गॉडफ़ादर?'

'हाँ,' डम्बलडोर ने कहा। उन्होंने हैरी से यह नहीं पूछा कि उसने यह बात डर्स्ली परिवार को क्यों नहीं बताई थी। उन्होंने हैरी से आगे कहा, जैसे कोई व्यवधान ही न हुआ हो, 'हमारी समस्या यह है कि सिरियस ग्रिमॉल्ड चौक का मकान नंबर बारह भी तुम्हारे नाम कर गया है।'

'इसे विरासत में एक मकान मिला है?' वरनॉन अंकल ने लालच से कहा और उनकी छोटी आँखें सिकुड़ गईं, लेकिन किसी ने उनकी बात का जवाब नहीं दिया।

'आप मुख्यालय के रूप में उसका इस्तेमाल आगे भी कर सकते हैं,' हैरी ने कहा। 'मुझे परवाह नहीं है। आप उसे रख सकते हैं। मैं उसे बिलकुल नहीं चाहता।' हैरी मकान नंबर बारह, ग्रिमॉल्ड चौक में दोबारा कभी क़दम नहीं रखना चाहता था। उसने सोचा कि उसे इस बात की हमेशा याद सताती रहेगी कि सिरियस अकेला अँधेरे कमरों में क़ैदी की तरह घूम रहा था, जहाँ से बाहर निकलने के लिए वह छटपटा रहा था।'

डम्बलडोर ने कहा, 'यह तुम्हारी उदारता है। बहरहाल, हमने कुछ समय के लिए इमारत ख़ाली कर दी है।'

'क्यों?'

'देखो,' डम्बलडोर ने वरनॉन अंकल की बुदबुदाहटों को नज़रअंदाज़ करते हुए कहा, जिनका गिलास अब उनके सिर से ज़ोर-ज़ोर से टकरा रहा था, 'ब्लैक ख़ानदान की परंपरा यह थी कि मकान हमेशा ख़ानदान में ही दिया जाता था, ब्लैक नाम के अगले पुरुष को। सिरियस उस ख़ानदान का आख़िरी पुरुष था, क्योंकि उसका छोटा भाई रेग्युलस उससे पहले ही मर गया था और वे दोनों

ही निःसंतान थे। हालाँकि सिरियस की वसीयत में साफ़ लिखा है कि वह तुम्हें घर का मालिक बनाना चाहता है, लेकिन यह भी संभव है कि उस मकान पर कोई ऐसा मंत्र या जादू हो, जिसकी वजह से शुद्ध ख़ून वाले जादूगर के अलावा कोई और उसका मालिक न बन पाए।'

हैरी के दिमाग़ में बारह नंबर, ग्रिमॉल्ड चौक के हॉल में सिरियस की माँ की चीख़ती, थूक उड़ाती तस्वीर की स्पष्ट छवि आ गई। उसने कहा, 'मुझे भी ऐसा ही लगता है।'

'बिलकुल,' डम्बलडोर ने कहा। 'और अगर ऐसा कोई मंत्र मौजूद है, तो उस मकान पर सिरियस के बाद उम्र में सबसे बड़े रिश्तेदार का हक़ होगा, जिसका मतलब है उसकी कज़िन, बेलाट्रिक्स लेस्ट्रेंज।'

हैरी को पता ही नहीं चला कि वह कब उछलकर खड़ा हो गया था। उसकी गोद में रखे टेलीस्कोप और जूते फ़र्श पर लुढ़क गए। सिरियस की हत्यारिन बेलाट्रिक्स लेस्ट्रेंज को उसका घर विरासत में मिलेगा?

'नहीं,' उसने कहा।

'देखो, हम सभी चाहते हैं कि यह घर उसे न मिले,' डम्बलडोर ने धीरे से कहा। 'मामला बहुत जटिल है। हम नहीं जानते हैं कि हमने इसे अदृश्य करने के लिए जो जादू किया है, वह अब क़ायम रहेगा भी या नहीं, क्योंकि अब सिरियस इस मकान का मालिक नहीं है। यह भी हो सकता है कि किसी भी पल बेलाट्रिक्स इस मकान की चौखट पर आ जाए। ज़ाहिर है, जब तक स्थिति स्पष्ट नहीं हो जाती, तब तक के लिए हमें इसे ख़ाली करना पड़ा।'

'लेकिन आप यह पता कैसे लगाएँगे कि मैं इसका मालिक हूँ या नहीं?'

'ख़ुशक़िस्मती से,' डम्बलडोर ने कहा, 'इसकी जाँच बड़ी आसानी से की जा सकती है।'

उन्होंने अपना ख़ाली गिलास अपनी कुर्सी के पास वाली छोटी टेबल पर रख दिया, लेकिन इससे पहले कि वे और कुछ कर पाते, वरनॉन अंकल चिल्लाए, '*क्या आप इन बेहूदा चीज़ों को हमारे पास से हटाएँगे!*'

हैरी ने मुड़कर देखा। डर्स्ली परिवार के तीनों सदस्य अब अपने सिर पर हाथ रखे हुए थे। उनके गिलास उनकी खोपड़ियों पर ऊपर-नीचे हो रहे थे और उनके अंदर भरा द्रव चारों तरफ़ छलक रहा था।

'ओह, मुझे अफ़सोस है,' डम्बलडोर ने विनम्रता से कहा और उन्होंने अपनी छड़ी लहराई। तीनों गिलास ग़ायब हो गए। 'लेकिन शिष्टाचार के नाते आप लोगों को इन्हें पी लेना चाहिए था।'

ऐसा लगा जैसे वरनॉन अंकल इस बात का बहुत कड़वा जवाब देने को बेताब थे, लेकिन वे पेटूनिया आंटी और डडली के साथ सोफ़े पर दुबके रहे तथा कुछ नहीं बोले। उनकी सुअर जैसी छोटी-छोटी आँखें डम्बलडोर की छड़ी पर टिकी थीं।

'देखो,' डम्बलडोर हैरी की तरफ़ मुड़ते हुए ऐसे बोलने लगे, जैसे वरनॉन अंकल ने बीच में कुछ कहा ही न हो, 'अगर तुम्हें मकान सचमुच विरासत में मिला है, तो तुम्हें विरासत में यह भी मिला है -'

उन्होंने पाँचवीं बार अपनी छड़ी लहराई। *खट्ट* की ज़ोरदार आवाज़ के साथ एक घरेलू जिन्न प्रकट हो गया। उसकी नाक की जगह पर थूथन थी। उसके कान बड़े चमगादड़ जैसे थे और उसकी बड़ी-बड़ी लाल आँखें थीं। गंदे चिथड़ों में लिपटा हुआ वह घरेलू जिन्न डर्स्ली दंपति के गलीचे पर उकड़ूँ बैठा था। पेटूनिया आंटी भयंकर तरीक़े से चीखीं। इतनी गंदी चीज़ उनके घर में पहले कभी नहीं आई थी। डडली ने अपने बड़े-बड़े गुलाबी पैर फ़र्श से उठा लिए और उन्हें सिर से ऊपर कर लिया, जैसे सोच रहा हो कि यह प्राणी उसका पायजामा उतार सकता है। वरनॉन अंकल दहाड़े, 'यह गंदी सी चीज़ *क्या है?*'

'क्रीचर,' डम्बलडोर ने कहा।

'क्रीचर नहीं करेगा, क्रीचर नहीं करेगा, क्रीचर नहीं करेगा!' अपने लंबे गाँठदार पैर पटकते हुए और कान खींचते हुए घरेलू जिन्न ने वरनॉन अंकल जितनी ही तेज़ आवाज़ में कहा। 'क्रीचर मिस बेलाट्रिक्स का आदेश मानेगा, ओह हाँ, क्रीचर ब्लैक ख़ानदान का आदेश मानेगा, क्रीचर अपनी नई मालकिन को चाहता है, क्रीचर पॉटर लड़के के पास नहीं जाएगा, क्रीचर नहीं करेगा, क्रीचर नहीं करेगा, नहीं करेगा -'

'जैसा तुम देख सकते हो, हैरी,' डम्बलडोर ने ज़ोर से कहा, ताकि क्रीचर की लगातार 'नहीं करेगा, नहीं करेगा, नहीं करेगा,' की आवाज़ें दब जाएँ, 'क्रीचर तुम्हारी मिल्कियत में नहीं आना चाहता है।'

'मुझे परवाह नहीं है,' हैरी ने काँपते और पैर पटकते घरेलू जिन्न की तरफ़ हिक़ारत से देखते हुए कहा, 'मुझे परवाह नहीं है। मैं उसे रखना भी नहीं चाहता हूँ।'

'नहीं करेगा, नहीं करेगा, नहीं करेगा, नहीं करेगा -'

'तो क्या तुम यह चाहते हो कि वह बेलाट्रिक्स लेस्ट्रेंज की मिल्कियत में चला जाए? यह ध्यान में रखते हुए कि वह पिछले साल मायापंछी के समूह के मुख्यालय में रह चुका है?'

'नहीं करेगा, नहीं करेगा, नहीं करेगा, नहीं करेगा –'

हैरी ने डम्बलडोर को घूरकर देखा। वह जानता था कि क्रीचर को बेलाट्रिक्स लेस्ट्रेंज के पास जाकर रहने की इजाज़त नहीं दी जा सकती, लेकिन उसका मालिक बनने का विचार ... सिरियस को धोखा देने वाले प्राणी की ज़िम्मेदारी लेना बहुत वितृष्णा भरा था।

'उसे एक आदेश दो,' डम्बलडोर ने कहा। 'अगर वह तुम्हारी मिल्कियत में आ गया है, तो उसे आदेश मानना पड़ेगा। अगर ऐसा नहीं हुआ, तो हमें उसकी वास्तविक मालकिन से उसे दूर रखने का कोई और तरीक़ा सोचना पड़ेगा।'

'नहीं करेगा, नहीं करेगा, नहीं करेगा, ***नहीं करेगा!'***

क्रीचर की आवाज़ ऊँची होती हुई अब चीख़ में बदल चुकी थी। हैरी इसके सिवाय कुछ और कहने की नहीं सोच पाया, 'क्रीचर, चुप हो जाओ!'

एक पल के लिए तो ऐसा लगा, जैसे क्रीचर का दम घुटने वाला हो। उसने अपना गला पकड़ लिया, उसका मुँह अब भी तेज़ी से हिल रहा था, उसकी आँखें बाहर निकल रही थीं। कुछ पल तक आवेश में थूक निगलने के बाद वह मुँह के बल गलीचे पर गिर गया (पेटूनिया आंटी ने सिसकारी भरी) और फ़र्श पर अपने हाथ-पैर पटकने लगा। इस तरह वह हिंसक, लेकिन ख़ामोश प्रतिरोध करने लगा।

'अच्छा, तो इससे समस्या आसानी से सुलझ गई,' डम्बलडोर ने ख़ुशी से कहा। 'ऐसा लगता है, सिरियस जानता था कि वह क्या कर रहा था। तुम ग्रिमॉल्ड चौक के बारह नंबर मकान ... और क्रीचर के भी क़ानूनी मालिक हो।'

'क्या मुझे – क्या मुझे उसे अपने साथ रखना पड़ेगा ?' हैरी ने दहशत से पूछा, जब क्रीचर उसके पैरों के चारों तरफ़ लोट लगाने लगा।

'अगर तुम ऐसा नहीं करना चाहते, तो इसकी कोई ज़रूरत नहीं है,' डम्बलडोर ने कहा। 'मैं एक सुझाव दूँ, तुम उसे हॉगवर्ट्स के किचन में काम करने के लिए भेज दो। इस तरह से दूसरे घरेलू जिन्न उस पर नज़र रख सकते हैं।'

'हाँ,' हैरी ने राहत के साथ कहा, 'हाँ, मैं यही करता हूँ। अर – क्रीचर – मैं चाहता हूँ कि तुम हॉगवर्ट्स जाओ और वहाँ किचन में दूसरे घरेलू जिन्नों के साथ काम करो।'

क्रीचर उस वक़्त पीठ के बल लेटकर अपने हाथ-पैर हवा में उठाए हुए था। उसने हैरी को गहरी हिक़ारत से ऊपर से नीचे तक देखा और एक ज़ोरदार खट्ट के साथ ग़ायब हो गया।

'अच्छा,' डम्बलडोर ने कहा। 'बकबीक नाम के गरुड़अश्व का मामला भी है। सिरियस की मौत के बाद से हैग्रिड उसकी देखभाल कर रहा है, लेकिन बकबीक अब तुम्हारा है, इसलिए अगर तुम कोई दूसरा इंतज़ाम करना चाहो –'

'नहीं,' हैरी ने तत्काल कहा, 'वह हैग्रिड के साथ रह सकता है। मुझे लगता है कि यह बकबीक को ज़्यादा अच्छा लगेगा।'

'हैग्रिड बहुत ख़ुश होगा,' डम्बलडोर ने मुस्कराते हुए कहा। 'बकबीक से दोबारा मिलकर वह बहुत रोमांचित है। वैसे बकबीक की सुरक्षा के लिए हमने कुछ समय के लिए उसका नाम विदरविंग्स रख दिया है, हालाँकि मंत्रालय शायद यह अंदाज़ा कभी नहीं लगा पाएगा कि उसने इसी गरुड़अश्व को मौत की सज़ा दी थी। अब हैरी, क्या तुम्हारा संदूक पैक हो चुका है?'

'ओह ...'

'तुम्हें भरोसा नहीं था कि मैं आऊँगा?' डम्बलडोर ने मुस्कराते हुए पूछा।

'मैं फटाफट जाकर पैकिंग कर लेता हूँ,' हैरी ने जल्दी से कहा और गिरा हुआ टेलीस्कोप तथा जूते उठा लिए।

अपनी ज़रूरत का सारा सामान बटोरने में उसे दस मिनट से कुछ ही ज़्यादा समय लगा। आख़िरकार उसने बिस्तर के नीचे से अपना अदृश्य चोगा निकाला, रंग-परिवर्तक स्याही की दवात का ढक्कन लगाया और अपने संदूक का ढक्कन अपनी कड़ाही के ऊपर ज़बर्दस्ती लगाया। फिर एक हाथ से अपना संदूक खींचते हुए और दूसरे हाथ में हेडविग का पिंजरा थामकर वह नीचे की मंज़िल की तरफ़ चल दिया।

उसे यह देखकर निराशा हुई कि डम्बलडोर हॉल में उसका इंतज़ार नहीं कर रहे थे, जिसका यह मतलब था कि उसे दोबारा लिविंग रूम में जाना पड़ेगा।

कोई भी बातचीत नहीं कर रहा था। डम्बलडोर धीरे-धीरे गुनगुना रहे थे और बहुत शांत व सहज थे। बहरहाल, माहौल बहुत तनावग्रस्त था। डर्स्ली दंपति की तरफ़ देखने की हैरी की हिम्मत नहीं हुई। उसने कहा, 'प्रोफ़ेसर – मैं अब तैयार हूँ।'

'अच्छी बात है,' डम्बलडोर ने कहा। 'बस एक बात और कहनी है।' वे एक बार फिर डर्स्ली दंपति की तरफ़ मुड़े। 'जैसा आप लोग जानते होंगे, हैरी एक साल बाद बालिग़ हो जाएगा –'

'नहीं,' पेटूनिया आंटी बोलीं। डम्बलडोर के आने के बाद वे पहली बार बोली थीं।

'क्या?' डम्बलडोर ने विनम्रता से कहा।

'नहीं, वह बालिग़ नहीं होगा। वह डडली से एक महीने छोटा है और डडली दो साल बाद अठारह का होगा।'

डम्बलडोर ने चहकते हुए कहा, 'लेकिन जादूगरों की दुनिया में लोग सत्रह साल की उम्र में बालिग़ हो जाते हैं।'

वरनॉन अंकल बुदबुदाए, 'बेहूदा,' लेकिन डम्बलडोर ने उन्हें नज़रअंदाज़ कर दिया।

'जैसा आप जानते ही हैं, लॉर्ड वोल्डेमॉर्ट नाम का जादूगर इस देश में लौट आया है। जादूगर समुदाय में खुला युद्ध चल रहा है। लॉर्ड वोल्डेमॉर्ट हैरी को कई बार पहले भी मारने की कोशिश कर चुका है। जब मैं उसे पंद्रह साल पहले आपकी चौखट पर छोड़कर गया था, तब वह जितने ख़तरे में था, आज वह उससे भी ज़्यादा बड़े ख़तरे में है। तब मैंने एक चिट्ठी भी छोड़ी थी, जिसमें मैंने उसके माता-पिता की हत्या के बारे में बताया था और यह उम्मीद की थी कि आप लोग उसे भी अपने बच्चे की तरह ही पालेंगे।'

डम्बलडोर रुके। हालाँकि ग़ुस्से का कोई स्पष्ट चिन्ह नहीं दिख रहा था, लेकिन हैरी को उनके पास से एक तरह का ठंडापन निकलता हुआ महसूस हुआ। उसने देखा कि डर्स्ली दंपति अब थोड़े पास-पास हो गए थे। फिर डम्बलडोर ने हल्की तथा शांत आवाज़ में आगे कहा।

'आप लोगों ने मेरा कहना नहीं माना। आप लोगों ने हैरी के साथ कभी अपने बेटे जैसा व्यवहार नहीं किया। उसे आपके यहाँ सिर्फ़ उपेक्षा और अक्सर क्रूरता ही मिली है। उसके बारे में बस यही अच्छी बात कही जा सकती है कि कम से कम वह उस विनाशक नुक़सान से बच गया है, जो आप लोगों ने अपने बीच में बैठे इस बदक़िस्मत लड़के को पहुँचाया है।'

पेटूनिया आंटी और वरनॉन अंकल ने मुड़कर देखा, जैसे उन्हें अपने बीच में डडली के बजाय किसी और के बैठे होने की उम्मीद हो।

'हम – डडली का नुक़सान करेंगे? आप यह क्या कह – ?' वरनॉन अंकल ने आवेश में कहना शुरू किया, लेकिन डम्बलडोर ने अपनी उँगली उठाकर उन्हें ख़ामोश कर दिया। ऐसा लग रहा था, जैसे उन्होंने जादू से वरनॉन अंकल को गूँगा कर दिया हो।

'मैंने पंद्रह साल पहले जो जादू किया था, उसका यह मतलब था कि जब तक हैरी इस मकान को अपना घर कह सकता है, तब तक उसे सशक्त सुरक्षा मिलेगी। वह यहाँ कितना ही दुखी रहा हो, कितना ही उपेक्षित रहा हो, उसके साथ कितना ही बुरा व्यवहार किया गया हो, कम से कम आप लोगों ने उसे मन मारकर ही सही अपने घर में रहने दिया। जब हैरी सत्रह साल का हो जाएगा, तो

यह जादू ख़त्म हो जाएगा। दूसरे शब्दों में, उसके मर्द बनने पर यह जादू काम करना बंद कर देगा। मैं आपसे सिर्फ़ यह चाहता हूँ : कि आप हैरी को उसके सत्रहवें जन्मदिन से पहले एक बार फिर इस मकान में लौटने दें, ताकि उस समय तक उसकी सुरक्षा बनी रहे।'

डर्स्ली दंपति कुछ नहीं बोले। डडली की त्योरियाँ थोड़ी चढ़ी हुई थीं, जैसे सोच रहा हो कि उसके माता-पिता ने उसे कब नुक़सान पहुँचाया था। वरनॉन अंकल को देखकर ऐसा लग रहा था, जैसे उनके गले में कोई चीज़ अटक गई हो। बहरहाल, पेटूनिया आंटी का चेहरा थोड़ा लाल पड़ गया था।

'अच्छा हैरी ... अब हमारे चलने का समय हो गया,' डम्बलडोर ने आख़िरकार कहा और खड़े होते हुए अपने लंबे काले चोगे को सीधा किया। 'फिर मिलते हैं,' उन्होंने डर्स्ली दंपति से कहा, जिन्हें देखकर ऐसा लग रहा था कि वे उनसे दोबारा कभी नहीं मिलना चाहते हैं। अपना हैट छूकर वे कमरे से बाहर निकल गए।

'अलविदा,' हैरी ने डर्स्ली दंपति से जल्दी से कहा और डम्बलडोर के पीछे चल दिया, जो हैरी के संदूक के पास रुक गए थे, जिस पर हेडविग का पिंजरा रखा था।

'हम इन चीज़ों का बोझ नहीं उठाते हैं,' उन्होंने अपनी छड़ी दोबारा बाहर निकालते हुए कहा। 'मैं इन्हें रॉन के घर भेज देता हूँ। बहरहाल, मैं चाहूँगा कि तुम अपना अदृश्य चोगा बाहर निकाल लो ... ताकि ज़रूरत पड़ने पर काम आ सके।'

हैरी ने थोड़ी मुश्किल से अपने संदूक से चोगा निकाला और यह कोशिश की कि डम्बलडोर अंदर बेतरतीब तरीक़े से रखे सामान को न देख पाएँ। जब उसने चोगे को जैकेट की अंदर वाली जेब में रखा, तो डम्बलडोर ने अपनी छड़ी लहराई। संदूक, पिंजरा तथा हेडविग ओझल हो गए। डम्बलडोर ने दोबारा अपनी छड़ी लहराई। सामने वाला दरवाज़ा खुल गया। बाहर अँधेरा और ठंडक थी।

'और अब हैरी, हम रात के अँधेरे में बाहर निकलते हैं ... और रोमांच की तलाश में चलते हैं।'